मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 331
बुधवार, 25 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

कोर्ट से लेकर स्पेस तक, बेटियां नाम कर रही हैं रोशनः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 24 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली में श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक बातचीत के शताब्दी समारोह में शामिल हुए। मोदी ने कहा कि आज ये परिसर देश के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना को याद करने का साक्षी बन रहा है। एक ऐसी ऐतिहासिक घटना, जिसने न सिर्फ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी, बल्कि स्वतंत्रता के उद्देश्य को नए मायने दिए। 100 साल पहले श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी की वो मुलाकात आज भी उतनी की प्रेरक है, उतनी ही प्रासंगिक है। 100 साल पहले वो मुलाकात, सामाजिक समरसता के लिए, विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए आज भी ऊर्जा के स्रोत की तरह है।

मोदी ने कहा कि श्री नारायण गुरु के आदर्श पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी पूंजी हैं। जो लोग देश और समाज की सेवा के संकल्प पर काम करते हैं, श्रीनारायण गुरु उनके लिए प्रकाश स्तंभ की तरह हैं। उन्होंने कहा कि भारत की विशेषता है कि हमारा देश जब भी मुश्किलों के भंवर में फंसता है, तो कोई न कोई महान विभूति देश के किसी कोने में जन्म लेकर समाज को नई दिशा दिखाता है। कोई समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करता है, तो कोई सामाजिक क्षेत्र में समाज सुधारों को गति देता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी हालही में हमने विश्व योग दिवस मनाया। इस बार योग दिवस की थीम थी– एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य, यानी एक धरती एक स्वास्थ! इससे पहले भी भारत ने

विश्व कल्याण के लिए एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य जैसे पहल की है। आज भारत सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड जैसे ग्लोबल मूवमेंट को लीड कर रहा है। 2023 में जब भारत ने जी20 समिट को लीड किया था, तब थीम रखा था– एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य। हमारे इन प्रयासों में वसुधैव कुटुंबकम की धारणा जुड़ी हुई है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि श्री नारायण गुरु ने एक ऐसे समाज की परिकल्पना की थी जो भेदभाव से मुक्त हो! मुझे संतोष है कि आज देश सैचुरेशन अप्रोच पर चलते हुए भेदभाव की हर गुंजाइश को खत्म कर रहा है। श्री नारायण गुरु ने हमेशा महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया था। हमारी सरकार भी महिलाओं के नेतृत्व में विकास के साथ आगे बढ़ रही है। हमारे देश में आजादी के इतने वर्षों बाद भी ऐसे कई क्षेत्र थे, जिनमें महिलाओं की एंट्री ही बैन थी। हमने इन प्रतिबंधों को हटाया। नए नए क्षेत्रों में महिलाओं को अधिकार मिले। आज कोर्ट से लेकर स्पेस तक, बेटियां नाम रोशन कर रही हैं।

दिल्ली में बिजनेस खोलना और चलाना हुआ आसान, पुलिस से वापस ली गईं 7 लाइसेंसी शक्तियां

नई दिल्ली, 24 जून। अब राष्ट्रीय राजधानी में भोजनालयों, डिस्कोथेक और मनोरंजन पार्कों के व्यवसाय मालिकों और प्रतिष्ठानों को परिचालन गतिविधि के लिए दिल्ली पुलिस से लाइसेंस प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होगी। राष्ट्रीय राजधानी के व्यवसाय मालिकों ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए दिल्ली पुलिस लाइसेंस की आवश्यकता को समाप्त करने के फैसले का स्वागत किया है और इसे लालफीताशाही से बड़ी राहत बताया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे दिल्ली के लिए एक ऐतिहासिक लोक कल्याणकारी आदेश बताते हुए, सीएम ने कहा कि यह नया निर्णय प्रक्रिया को सरल बनाएगा, समय और लागत की बचत करेगा और राजधानी में व्यापार करने में

आसानी को बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि इन व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पुलिस लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होगी, फिर भी उन्हें दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली छावनी बोर्ड से अनुमति के लिए आवेदन करना होगा। गुप्ता ने कहा, यह दिल्ली के लोगों और व्यापारिक समुदाय की 40 साल से भी अधिक समय से लंबित मांग थी। करीब 25,000 प्रतिष्ठानों में देरी हो रही थी और उनसे जुड़े करीब 10 से 20 लाख लोग इस सार्वजनिक प्रबंधन बाधा के कारण परेशान थे। यह आज खत्म हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा, ₹दोहरी लाइसेंसिंग से पहले इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा होती थी कि कौन क्या करेगा। इस सुधार के साथ हम पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए एकल खिड़की प्रणाली ला रहे हैं। यह दोहरी इंजन वाली सरकार का लाभ है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पुलिस को व्यवसायों को लाइसेंस जारी करने की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिए जाने से अब दिल्ली पुलिस को अपराध नियंत्रण।

एमके स्टालिन ने केंद्र पर लगाया पक्षपात का आरोप

तमिलनाडु, 24 जून। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाषा के वित्तपोषण में कथित पक्षपात को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की और उस पर तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं की उपेक्षा करते हुए संस्कृत को तरजीह देने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में स्टालिन ने लिखा, संस्कृत को करोड़ों मिलते हैं; तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं को मगरमच्छ के आंसू के अलावा कुछ नहीं मिलता। तमिल के लिए झूठा लगाव; सारा पैसा संस्कृत के लिए! मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी सूचना के अधिकार अधिनियम (आरटीआई) और सार्वजनिक अभिलेखों के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर द

हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें पता चला है कि केंद्र ने 2014-15 और 2024-25 के बीच संस्कृत को बढ़ावा देने पर 2,532.59 करोड़ रुपये खर्च किए। इसके विपरीत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और उड़िया - पांच अन्य शास्त्रीय भारतीय भाषाओं - के लिए संयुक्त आवंटन 147.56 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट के अनुसार, तमिल, जिसे 2004 में शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया था, को भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के लिए अनुदान योजना के तहत 113.48 करोड़ रुपये मिले - जो संस्कृत से 22 गुना कम है। तेलुगु और कन्नड़ को संस्कृत पर खर्च किए गए धन का 0.5 प्रतिशत से भी कम मिला, जबकि मलयालम और ओडिया को 0.2 प्रतिशत से भी कम मिला। स्टालिन का बयान द्रविड़ पार्टियों के बीच लंबे समय से चली आ रही चिंता को दशार्ता है कि संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए दक्षिणी राज्यों, विशेष रूप से तमिलनाडु की सांस्कृतिक और भाषाई प्राथमिकताओं को दरकिनार किया जा रहा है, जो मुख्य रूप से उत्तर भारतीय विरासत और हिंदू धार्मिक परंपरा से जुड़ी है।

लोकतंत्र को तानाशाही में बदलने की साजिश ही आपातकाल : अमित शाह

नई दिल्ली, 24 जून। आपातकाल के 50 साल' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या है। एक सवाल उठ सकता है कि 50 साल पहले हुई किसी घटना पर अब चर्चा क्यों हो रही है? जब किसी राष्ट्रीय घटना के 50 साल पूरे होते हैं, चाहे वह अच्छी हो या बुरी, समाज में उसकी स्मृति धुंधली हो जाती है। अगर लोकतंत्र को हिला देने वाली आपातकाल जैसी घटना की स्मृति मिट जाती है, तो यह राष्ट्र के लिए हानिकारक है।

शाह ने आगे कहा कि वो लड़ाई इसलिए जीती गई क्योंकि इस देश में कोई भी तानाशाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। भारत लोकतंत्र की जननी है। उस समय आपातकाल को तानाशाहों और उससे लाभान्वित होने वाले छोटे समूह को छोड़कर कोई भी पसंद नहीं करता। उन्हें भ्रम था कि कोई उन्हें चुनौती नहीं दे सकता, लेकिन आपातकाल के बाद जब पहली बार लोकसभा के चुनाव हुए तो आजादी के बाद पहली बार गैर-कांग्रेसी सरकार बनी और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने।

अमित शाह ने कहा, आपातकाल को एक वाक्य में परिभाषित करना कठिन है। मैंने एक परिभाषा देने की कोशिश की है। एक लोकतांत्रिक देश के बहुदलीय लोकतंत्र को तानाशाही में बदलने की साजिश ही आपातकाल है...। उन्होंने कहा कि कल्पना कीजिए कि आजाद

होने के विचार के कारण आपको जेल में डाल दिया जाए। हम कल्पना भी नहीं कर सकते कि वह सुबह भारत के लोगों के लिए कितनी क्रूर रही होगी। शाह ने कहा कि मैं 11 साल का था (जब आपातकाल की घोषणा हुई थी)। गुजरात में आपातकाल का असर काफी कम था क्योंकि वहां जनता पार्टी की सरकार बनी थी। लेकिन बाद में जनता पार्टी की सरकार गिर गई... मैं एक छोटे से गांव से आता हूं।

अकेले मेरे गांव से 184 लोगों को जेल भेजा गया था। मैं उस दिन और उन दृश्यों को मरते दम तक नहीं भूलूंगा।

अमित शाह ने कहा कि सुबह 8 बजे प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ऑल इंडिया रेडियो पर घोषणा की कि राष्ट्रपति ने आपातकाल लगा दिया है। क्या संसद की मंजूरी ली गई थी? क्या कैबिनेट की बैठक बुलाई गई थी? क्या विपक्ष को विश्वास में लिया गया था? जो लोग आज लोकतंत्र की बात करते हैं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि वे उस पार्टी से जुड़े हैं जिसने लोकतंत्र को खा लिया। कारण राष्ट्रीय सुरक्षा बताया गया, लेकिन असली कारण सत्ता की सुरक्षा थी।

इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं, लेकिन उन्हें संसद में वोट देने का अधिकार नहीं था। प्रधानमंत्री के तौर पर उनके पास कोई अधिकार नहीं था। उन्होंने नैतिकता का दामन छोड़ दिया और प्रधानमंत्री बने रहने का फैसला किया।

लालू यादव लगातार 13वीं बार बने राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष

पटना, 24 जून। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मंगलवार को घोषणा की कि उसके संस्थापक लालू प्रसाद यादव को फिर से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। संगठनात्मक चुनावों के लिए पार्टी के रिटर्निंग ऑफिसर रामचंद्र पुरबे ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि प्रसाद एकमात्र उम्मीदवार थे जिन्होंने एक दिन पहले अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था और जांच के दौरान वे सही पाए गए।यह पुनर्नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

तेजस्वी यादव चुनावी अभियानों में पार्टी का चेहरा बने हुए हैं और मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं, लेकिन लालू किसी और को पार्टी की

जिम्मेदारी सौंपने का जोखिम नहीं उठाते दिख रहे हैं। 2020 के विधानसभा चुनावों में तेजस्वी को सबसे आगे रखा गया है, उन्होंने अभियान का नेतृत्व किया और पार्टी के पोस्टरों पर प्रमुखता से दिखाई दिए। हालांकि, महागठबंधन जीत से चूक गया। इस बार, पार्टी दोहरी नेतृत्व की रणनीति अपनाती दिख रही है, लालू के प्रतीकात्मक अधिकार को बरकरार रखते हुए तेजस्वी को जमीन पर नेतृत्व करने की अनुमति दे रही है। 78 साल की उम्र में, लालू पूरे राज्य में सक्रिय रूप से प्रचार करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनकी उपस्थिति को राजनीतिक रूप से आवेशित माहौल में एक स्थिर शक्ति के रूप में देखा जाता है। उन्हें बनाए रखने का निर्णय यह संदेश भी देता है कि पार्टी अभी औपचारिक रूप से कमान सौंपने के लिए तैयार नहीं है, भले ही युवा पीढ़ी पहले से ही दिन-प्रतिदिन की राजनीति को संचालित कर रही हो। लालू यादव द्वारा आरजेडी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा, लालू यादव ने 13वीं बार पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनकर आरजेडी का अंतिम संस्कार कर दिया है... उन्होंने साबित कर दिया है कि पार्टी भाई-भतीजावाद से आगे नहीं जा सकती और भ्रष्टाचार के लिए बनी है।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवीं मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

शशि थरूर ने कर दिया साफ, बीजेपी में नहीं हो रहा शामिल

नई दिल्ली। शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और जुड़ने की इच्छा की प्रशंसा करते हुए उनकी टिप्पणी भारत के आउटरीच मिशन की सफलता के संदर्भ में थी। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि उनकी टिप्पणी प्रधानमंत्री की पार्टी में शामिल होने के लिए उनके संकेत नहीं हैं, जैसा कि कई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है।

थरूर ने कहा, यह एक ऐसा लेख है जिसमें मैंने इस आउटरीच मिशन की सफलता का वर्णन किया है, जो सभी दलों की एकता को दशार्ता है। कांग्रेस सांसद ने

कहा कि मैंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद अन्य देशों के साथ बातचीत में गतिशीलता और ऊर्जा का प्रदर्शन किया है। भाजपा की विदेश नीति या कांग्रेस की विदेश नीति जैसी कोई चीज नहीं है। केवल भारतीय विदेश नीति है।

ओडिशा में दो दलितों को पीटा, बाल काटे

ओडिशा। ओडिशा से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है जहां पर इंसानियत शर्मशार होती दिखाई दी है। ओडिशा के गंजाम जिले में पुलिस ने सोमवार को दावा किया कि मवेशी तस्कर होने के शक में दो दलितों के बाल काट दिए गए, उन्हें पीटा गया और घुटनों के बल चलने तथा मवेशियों का चारा खाने को मजबूर किया गया। यह घटना रविवार को धाराकोटे पुलिस थाना क्षेत्र के खारीगुम्मा गांव के जाहदा में हुई। मवेशी तस्कर होने के शक में दो दलितों के साथ दुर्व्यव्हार घटना का कथित वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में व्यापक आक्रोश फैल गया।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

नशीली दवाओं के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध का आह्वान

-ललित गर्ग

नशीली दवाओं के के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस - 26 जून, 2025

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 26 जून को नशीली दवाओं मुक्त दुनिया को निर्मित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने, कार्रवाई और सहयोग को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है। इसका उद्देश्य गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और नशीली दवाओं के बारे में तथ्यों को साझा करना है। साथ ही साक्ष्य आधारित रोकथाम, स्वास्थ्य जोखिमों और विश्व नशीली दवाओं की समस्या, उपचार और देखभाल से निपटने के लिए उपलब्ध समाधानों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। अवैध ड्रग्स एवं तस्करी मानव के लिए बहुत बड़ी पीड़ा एवं संकट का स्रोत हैं। सबसे कमजोर लोग, खास तौर पर युवा लोग, इस संकट का खामियाजा भुगतते हैं। ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाले और नशे की लत से जूझ रहे लोग अंधेरी दुनिया में भटकते हुए कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के खुद के हानिकारक प्रभाव, उनके द्वारा झेला जाने वाला कलंक, स्वास्थ्य संकट और भेदभाव और अक्सर उनकी स्थिति के प्रति कठोर और अप्रभावी प्रतिक्रियाएं दुनिया को एक महासंकट में धकेल रही हैं। इसलिये नशे एवं नशीली दवाओं के बढ़ते प्रचलन एवं तस्करी को रोकने के लिये दुनिया को एकजुट होकर इस महत्वाकांक्षी युद्ध को सफल बनाना नितांत अपेक्षित है।

हर साल संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) वैश्विक जागरूकता अभियानों और नीति सिफारिशों का मार्गदर्शन करने के लिए एक थीम निर्धारित करता है। 2025 की थीम है- ह्यसाज़िशों को तोड़ना: सभी के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्प्राप्ति ह्व यह नारा सामुदायिक समर्थन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से निपटने में वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता पर जोर देता है। यूएनओडीसी की विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट 2020 के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक स्तर पर 269 मिलियन लोगों ने मादक पदार्थों का उपयोग किया, जो वर्ष 2009 की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है; तथा अनुमान है कि 35 मिलियन लोग मादक पदार्थ उपयोग विकारों से पीड़ित हैं। यह दिवस न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और वैकल्पिक आजीविका सहित रोकथाम में निवेश का आह्वान करता है-जो टिकाऊ लचीलेपन के निर्माण के साथ उन्नत एवं स्वस्थ मानव जीवन का आधार है। दुनिया में सभी राष्ट्रों में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, सभी देशों में बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि दुनिया ह्रासशील पदार्थों की राजनीतिज्ञ के युग से गुजर रही है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। जिससे समय के साथ दुनिया में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है।

नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बनी हुई है, जिससे लाखों व्यक्ति, परिवार और समाज प्रभावित हो रहे हैं। इसीलिये यह दिवस एक स्वस्थ और नशीली दवाओं से मुक्त समाज बनाने के लिए साक्ष्य-आधारित नीतियों, सामुदायिक सहभागिता और नुकसान कम करने की रणनीतियों के महत्व पर प्रकाश डालता है। पिछले वर्ष विश्वभर में 15-64 वर्ष की आयु के 300 मिलियन से अधिक लोगों ने नशीले पदार्थों का उपयोग किया है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार से पीड़ित 8 में से 1 व्यक्ति को उपचार मिल पाता है, जिससे बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंच की तत्काल आवश्यकता उजागर होती है। वैश्विक नशीली दवाओं का व्यापार प्रतिवर्ष 400 बिलियन डॉलर से अधिक उत्पन्न करता है, जिससे संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और हिंसा को बढ़ावा मिलता है। इस बड़े संकट की रोकथाम की आवश्यकता को महसूस करते हुए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर, 1987 को संकल्प 42/112 के माध्यम से आधिकारिक तौर पर इस दिवस को स्थापित किया। इसका लक्ष्य नशीली दवाओं से संबंधित समस्याओं से निपटने में वैश्विक सहयोग को मजबूत करना और दंडात्मक उपायों के बजाय सार्वजनिक स्वास्थ्य-आधारित प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देना है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग शरीर में लगभग हर प्रणाली को प्रभावित करता है, जिससे गंभीर अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम सामने आते हैं। मादक द्रव्यों के सेवन से दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थितियाँ पैदा होती हैं, जिसमें ओपिओइड, मेथ और सिंथेटिक ड्रग्स सबसे ज्यादा मृत्यु दर और दीर्घकालिक अंग क्षति का कारण बनते हैं। इसके अलावा, नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मानसिक स्वास्थ्य परिणाम उपयोगकर्ता से परे तक फैल जाते हैं, जिससे अक्सर परिवार टूट जाते हैं, रोजगार छिन जाता है और अपराध बढ़ जाते हैं।

भारत में नशीली दवाओं का दुरुपयोग एक बढ़ता हुआ संकट है, जो भौगोलिक रूप से कमजोर, बढ़ती उपलब्धता और कम उम्र में इसकी शुरुआत से प्रेरित है। यह समस्या सभी आयु समूहों में फैली हुई है, लेकिन युवाओं में यह विशेष रूप से चिंताजनक है, जिसके स्वास्थ्य और सामाजिक परिणाम महत्वपूर्ण हैं। नशा मुक्त भारत अभियान - जागरूकता, शिक्षा और सामुदायिक कार्रवाई वाला एक राष्ट्रीय अभियान है। सीमा नियंत्रण और नारकोटिक्स ब्यूरो (एनसीबी)- बढ़ते नशीली दवाओं एवं नशे उत्पादों की तस्करी से निपटता है। यह नशीली दवाओं की जब्ती और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर काम करता है। नशे एवं ड्रग्स के धंधे की रोकथाम एवं जन-जागृति के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों के कल्याण, नशामुक्त एवं नशामुक्त भारत को निर्मित करने के प्रतिबद्ध है।

पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसके दुष्परिणाम विशेषत: पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड़ रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में ड्राइग्स-फ्री इंडिया अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। देश के युवा अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं, पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी के चक्र को तोड़ने के लिए समन्वित दीर्घकालिक कार्रवाई की आवश्यकता है। जरूरत है दुनिया की इस बड़े संकट एवं नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये सरकारों के साथ गैर-सरकारी संगठन कमर कसे।

गुजरात में भाजपा को सोचना पड़ेगा कि सरकार होने के बाबजूद वो सीट क्यों नहीं बचा पाए

अशोक भाटिया

पिछले कुछ समय से अरविंद केजरीवाल दिल्ली में भले नजर न आते हों, लेकिन सत्ता के गलियारों में उनको शिद्दत से महसूस किया जाता है। विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार के बाद से अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के मुकाबले पंजाब व गुजरात में कहीं ज्यादा देखा जा रहा था - और वो अकेले नहीं बल्कि मनीष सिसोदिया सहित उनकी भरोसेमंद पूरी टीम भी वहीं डटी हुई थी। दिल्ली से अरविंद केजरीवाल निकले तो थे विपश्यना के लिए, लेकिन उसके बाद भी पंजाब व गुजरात में ही जमे हुए हैं। पंजाब में रुकने की बड़ी वजह तो वहां आम आदमी पार्टी की सरकार होना है, जिसे जैसे भी संभव हो बचाकर रखना अरविंद केजरीवाल के लिए सबसे जरूरी है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए सत्ता की राजनीति कितना मायने रखती है, पंजाब व गुजरात अरविंद केजरीवाल और उनकी टीम की मौजूदगी सबसे बड़ी मिसाल रही।

यही कारण है कि गुजरात में दो विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे आम आदमी पार्टी के लिए उत्साही संकेत लेकर आए हैं। विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी के गोपाल इटालिया ने भाजपा के किरिट पटेल को करीब 17,554 वोटों से हराया है। भाजपा को यह हार बहुत चुभेगी, क्योंकि पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के होमग्राउंड में आप के हाथों करारी शिकस्त मिली है। इसके अलावा, यह राष्ट्रवाद और ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों के ऊपर क्षेत्रीय समस्याओं और आकांक्षाओं की जीत का भी संकेत है।दरअसल इस सीट पर पहले भी आम आदमी पार्टी ने जीत दर्ज की थी, लेकिन विधायक भुपेन्द्रभाई गांडुभाई भायाणी पार्टी बदलकर भाजपा में शामिल हो गए थे। इस वजह से उपचुनाव कराए गए थे। भाजपा को जीत की पूरी उम्मीद थी, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने इस सीट को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था।विसावदर विधानसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी आप के गोपाल इटालिया ने भाजपा के किरिट पटेल को 17,554 वोटों से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। भाजपा को इस सीट पर आखिरी बार 2007 में जीत मिली थी और तब से इस सीट पर जीत के लिए पार्टी तरस रही है। इस बार यहां जीतना भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न था। आम आदमी पार्टी की सटीक रणनीति और सही उम्मीदवार के चुनाव की वजह से भाजपा को मुंह की खानी पड़ी है।विसावदर सीट पर लगातार दूसरी बार आप की झाड़ू चली है। आम आदमी पार्टी की दोबारा इस सीट पर जीत पीएम मोदी और भाजपा के गुजरात मॉडल को चुनौती है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पार्टी ने यहां बेहतरीन उपस्थिति दर्ज कराई है। इस जीत ने साबित कर दिया है कि सही उम्मीदवार और जनता के मुद्दे उठाने का असर चुनावी नतीजों पर नजर आता है। इतना ही नहीं यह इस बात का भी संकेत है कि जनता विकल्प को अपनाने में नहीं हिचक रही है। गुजरात का रिजल्ट भाजपा के लिए भी एक करारा झटका है। जो दशकों से गुजरात में अजेय मानी जाती रही है। इस जीत ने न सिर्फ आप की साख को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया बल्कि यह भी साबित किया कि गुजरात की जनता अब बदलाव की ओर कदम बढ़ा रही है। दरअसल विसावदर जूनागढ़ जिले की एक महत्वपूर्ण विधानसभा सीट है। जो लंबे समय तक भाजपा का गढ़ रही थी। पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल जैसे दिग्गज नेताओं ने इस सीट पर भाजपा का परचम लहराया था। हालांकि 2007 के बाद से भाजपा इस सीट पर जीत का स्वाद नहीं चख पाई थी। गोपाल इटालिया ने न केवल इस सीट को वापस हासिल किया। बल्कि भाजपा को उसकी ही जमीन पर चारों खाने चित कर दिया।

गौरतलब है कि गुजरात में भाजपा की सरकार पिछले दो दशकों से सत्ता में है। इस दौरान विकास के बड़े-बड़े दावे किए गए। लेकिन ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के अवसरों की कमी आज भी देखी जा सकती है। विसावदर जैसे कृषि-प्रधान क्षेत्र में किसानों की समस्याएं सिंचाई की कमी, फसलों का उचित मूल्य न मिलना। और कर्ज का बोझ भाजपा के लिए मुसीबत बन गईं। गोपाल इटालिया ने इन मुद्दों को जोर-शोर से उठाया। और जनता के बीच यह संदेश देने में कामयाब रहे कि आप उनकी आवाज बन सकती है। गोपाल इटालिया पहले आप के गुजरात अध्यक्ष रह चुके हैं। एक जमीनी नेता के तौर पर जाने जाते हैं। उनकी सादगी, बेबाकी और जनता से सीधा संवाद उनकी जीत का सबसे बड़ा हथियार बना। और उन्होंने भाजपा पर भ्रष्टाचार, तानाशाही और जनविरोधी नीतियों का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। इसके अलावा आप ने दिल्ली और पंजाब में अपनी सरकारों के काम मुफ्त बिजली, बेहतर स्कूल और मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं को गुजरात की जनता के सामने मॉडल के तौर पर पेश किया। यह रणनीति विसावदर के मतदाताओं, खासकर युवाओं और किसानों के बीच खूब जमी।

वहीं भाजपा के लिए यह हार सिर्फ. बाहरी कारणों की वजह से नहीं। बल्कि पार्टी के भीतर की गुटबाजी और नेतृत्व की कमजोरियों ने भी इस हार को और गहरा किया। किरीट पटेल को टिकट देने के फैसले पर स्थानीय कार्यकर्ताओं में नाराजगी थी। इसके अलावा भूपेंद्र भायानी के आप छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी ने जिस तरह से उन्हें बढ़ावा दिया। उससे विसावदर की जनता में गुस्सा था। लोगों ने इसे दलबदल की राजनीतिज्ञ के तौर पर देखा और भाजपा को सबक सिखाने का मन बना लिया था। कांग्रेस कभी गुजरात में भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी थी। अब पूरी तरह से हाशिए पर चली गई है। विसावदर में नितिन रणपरिया की हार और महज 5,501 वोट मिलना कांग्रेस की दयनीय स्थिति को दशार्ता है। कांग्रेस की कमजोरी का फायदा सीधे तौर पर आप को मिला क्योंकि जो वोटर भाजपा के खिलाफ थे और उन्होंने आप को एक मजबूत विकल्प के तौर पर चुना।

गोपाल इटालिया की यह जीत उनकी मेहनत और आप की रणनीति का नतीजा है। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले गोपाल ने अपनी बेबाकी और जमीनी मुद्दों पर पकड़ के दम पर विसावदर की जनता का दिल जीता। और उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा पर कई गंभीर आरोप लगाए जैसे कि भाजपा उम्मीदवार द्वारा शराब बांटने की कोशिश। आप ने इस मामले को सोशल मीडिया पर खूब उछाला जिससे भाजपा की छवि को नुकसान पहुंचा।

विसावदर की इस जीत ने गुजरात की सियासत में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या भाजपा का अजेय किला अब कमजोर पड़ रहा है? क्या आप गुजरात में कांग्रेस की जगह लेने जा रही है? क्या 2027 के विधानसभा चुनाव में आप भाजपा के लिए एक मजबूत चुनौती पेश कर पाएगी? इन सवालों के जवाब तो वक्त देगा। लेकिन यह जीत निश्चित तौर पर आप के लिए एक बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला कदम है।

आपको बता दें कि विसावदर में आप की जीत का एक बड़ा कारण युवा और ग्रामीण मतदाताओं का समर्थन रहा। आप ने रोजगार, शिक्षा और भ्रष्टाचार विरोधी मुद्दों को केंद्र में रखा। जो इन मतदाताओं के बीच खूब जमा। दिल्ली और पंजाब में आप की सरकारों के काम को प्रचार का हिस्सा बनाकर पार्टी ने गुजरात के मतदाताओं को यह भरोसा दिलाया कि वह भी उनके लिए ऐसा ही कर सकती है।

वहीं 182 सदस्यों वाली गुजरात विधानसभा में भाजपा के पास 161 सीटें थीं। जो अब 162 हो गई हैं। क्योंकि उन्होंने कड़ी सीट पर जीत हासिल की। लेकिन विसावदर की हार भाजपा के लिए एक चेतावनी है। अगर आप इसी तरह जमीनी स्तर पर काम करती रही तो 2027 में भाजपा के लिए चुनौती बढ़ सकती है। भाजपा को अब अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना होगा खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। विसावदर की हार के बाद भाजपा के लिए कई सवाल खड़े हो गए हैं। क्या पार्टी ने सही उम्मीदवार चुना। क्या स्थानीय मुद्दों को समझने में चूक हुई। क्या दलबदल की राजनीति अब उल्टा पड़ रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने हार के बाद कहा कि वे इस पर आत्ममंथन करेंगे लेकिन यह साफ है कि पार्टी को अब नए सिरे से रणनीति बनानी होगी। आपको बता दें कि भूपेंद्र भायानी का आप से भाजपा में जाना और फिर किरीट पटेल को टिकट देना भाजपा के लिए भारी पड़ गया। जनता ने इसे दलबदल की राजनीति के तौर पर देखा। और इसका जवाब वोट के जरिए दिया। यह भाजपा के लिए एक सबक है कि दलबदल कराने की रणनीति हमेशा कामयाब नहीं होती।

भाजपा का प्रचार इस बार उतना प्रभावी नहीं रहा जितना पहले देखा गया था। गोपाल इटालिया ने जमीनी स्तर पर घर-घर जाकर प्रचार किया जबकि भाजपा का प्रचार मुख्य रूप से अपनी सरकार के दावों तक सीमित रहा इसके अलावा आप ने सोशल मीडिया का खूब इस्तेमाल किया खासकर शराब बांटने के आरोप को वायरल करके। विसावदर की जीत आप के लिए सिर्फ. गुजरात तक सीमित नहीं है। दिल्ली में 2024 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद आप को एक मजबूत वापसी की जरूरत थी। विसावदर और पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर मिली जीत ने पार्टी का मनोबल बढ़ाया है। आप के दिल्ली अध्यक्ष सौरव भारद्वाज ने कहा कि कुछ लोग कह रहे थे कि आप खत्म हो गई है लेकिन यह जीत दिखाती है कि जनता हमारे साथ है। यह केजरीवाल की राष्ट्रीय राजनीति में शानदार वापसी है। वहीं यह जीत आप के लिए 2027 के गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर सकती है अगर आप इसी तरह जमीनी स्तर पर काम करती रही तो वह गुजरात में भाजपा के लिए एक मजबूत चुनौती बन सकती है। बता दें कि गोपाल इटालिया की विसावदर में जीत न केवल आप की ताकत को दशार्ती है। बल्कि यह भी बताती है कि गुजरात की जनता अब बदलाव के मूड में है। भाजपा के लिए यह हार एक चेतावनी है कि उनकी जमीन अब खिसक रही है। अगर पार्टी ने समय रहते अपनी रणनीति में सुधार नहीं किया तो 2027 के चुनाव में उसे और बड़े झटके लग सकते हैं दूसरी ओर आप और गोपाल इटालिया के लिए यह जीत एक नई शुरूआत है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आप इस जीत को गुजरात में एक बड़े सियासी बदलाव में बदल पाएगी।

प्रधानमंत्री संग्रहालय ने मांगे नेहरू के दस्तावेज, कांग्रेस की चुप्पी पर विवाद

-संजय सक्सेना

देश की राजनीति एक बार फिर पंडित नेहरू की विरासत को लेकर गर्म है, लेकिन इस बार मामला भावनाओं का नहीं, दस्तावेजों का है। प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पत्र लिखकर वह 51 डिब्बे वापस मांगे हैं जिनमें देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के निजी पत्र, दस्तावेज और अभिलेख हैं। ये वही दस्तावेज हैं जिन्हें इंदिरा गांधी ने 1971 में सार्वजनिक संग्रहालय को सौंपा था, लेकिन 2008 में यूपीए सरकार के दौर में सोनिया गांधी के पास भेज दिया गया।अब सवाल यह है कि क्या गांधी परिवार इतिहास को रोककर रखना चाहता है? और अगर ये दस्तावेज सार्वजनिक महत्व के हैं, तो क्या इन पर सिर्फ परिवार का अधिकार हो सकता है? पीएमएलएल की हालिया बैठक में इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जैसे वरिष्ठ सदस्य भी मौजूद रहे। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में तय किया गया कि अगर गांधी परिवार दस्तावेज नहीं लौटाता, तो संस्था कानूनी रास्ता अख्तियार करेगी। इससे पहले भी फरवरी 2024 में इसी विषय पर विचार हुआ था और अब इसे लेकर स्पष्ट कानूनी राय मांगी जा चुकी है।

यह भी खुलासा हुआ है कि इन दस्तावेजों में पंडित नेहरू द्वारा एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायडू, विजया लक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली और बाबू जगजीवन राम जैसे नेताओं को लिखे गए पत्र शामिल हैं। इन पत्रों में उस समय की राजनीति, कूटनीति और निजी संवादों की झलक मिलती है, जो भारतीय इतिहास को समझने के लिए अत्यंत मूल्यवान माने जा रहे हैं।दिल्ली के तीन मूर्ति मार्ग स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय के 15,600 वर्ग मीटर परिसर में अब देश के सभी प्रधानमंत्रियों से जुड़ा दस्तावेजी खजाना संरक्षित किया जा रहा है। लेकिन नेहरू के इन पत्रों की अनुपस्थिति न केवल ऐतिहासिक शोध के लिहाज से एक बड़ी कमी है, बल्कि इसे लेकर राजनीतिक विवाद भी गहराता जा रहा है। यहां एक बड़ा सवाल खड़ा होता है आखिर गांधी परिवार इन दस्तावेजों को क्यों नहीं लौटाना चाहता? एक संभावना यह भी जताई जा रही है कि नेहरू द्वारा एडविना माउंटबेटन को लिखे पत्रों में कुछ ऐसे व्यक्तिगत प्रसंग हो सकते हैं जो सार्वजनिक होने पर राजनीतिक विवाद खड़ा कर सकते हैं। मौजूदा दौर में जब हर चीज सोशल मीडिया पर मिनटों में वायरल हो जाती है, तब कांग्रेस को डर हो सकता है कि इन पत्रों की गलत व्याख्या कर नेहरू की छवि को नुकसान पहुंचाया जा सकता है।बीजेपी नेताओं ने इस मुद्दे पर कांग्रेस को घेरना शुरू कर दिया है। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने पूछा है, नेहरू के पत्रों में ऐसा क्या है जो गांधी परिवार छुपा रहा है? वहीं, बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अगर पत्रों में कुछ नहीं है तो कांग्रेस उन्हें वापस क्यों नहीं कर रही?

अब यह पूरा मामला राजनीति से निकलकर न्यायिक दायरे में प्रवेश कर चुका है। पीएमएलएल का कहना है कि दान की गई सामग्री सार्वजनिक संपत्ति होती है और उसे वापस लेना कानूनन संभव नहीं है। यदि गांधी परिवार इन दस्तावेजों को व्यक्तिगत संपत्ति बताकर रख रहा है, तो यह सार्वजनिक अधिकार का हनन है। इसलिए अब संस्था ने अदालत की शरण लेने का मन बना लिया है।यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस पर ऐतिहासिक दस्तावेजों को निजी संपत्ति की तरह इस्तेमाल करने का आरोप लगा हो। नेहरू गांधी परिवार लंबे समय से देश की राजनीति और इतिहास दोनों पर प्रभाव रखता आया है, लेकिन बदलते वक्त में पारदर्शिता की मांग भी उतनी ही तेज हो गई है। अब जनता यह जानना चाहती है कि देश के पहले प्रधानमंत्री की निजी चिट्ठियां, जो इतिहास के दस्तावेज हैं, वे सिर्फ एक परिवार की अलमारी में क्यों बंद हैं?

यहां एक और बिंदु विचारणीय है। अगर ये दस्तावेज निजी थे, तो 1971 में इंदिरा गांधी ने उन्हें सार्वजनिक संस्थान को क्यों सौंपा? और अगर वो निर्णय सही था, तो 2008 में यूपीए सरकार के समय उन्हें चुपचाप वापस क्यों ले जाया गया? क्या यह सिर्फ भावनात्मक फैसला था या कोई रणनीतिक कदम?पीएमएलएल अब यह भी तय कर चुकी है कि भविष्य में किसी भी दस्तावेज को संग्रहालय में शामिल करने के लिए गोपनीयता की कोई शर्त मान्य नहीं होगी। संस्था का तर्क है कि इतिहास को छुपाकर नहीं, पारदर्शिता से ही संरक्षित किया जा सकता है।

फिलहाल कांग्रेस की ओर से इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं आया है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी दोनों ही चुप्पी साधे हुए हैं। लेकिन अगर अदालत में मामला पहुंचता है और दस्तावेज सार्वजनिक करने का आदेश आता है, तो यह कांग्रेस के लिए एक नैतिक और राजनीतिक संकट खड़ा कर सकता है। दूसरी ओर, अगर अदालत गांधी परिवार के हक में फैसला देती है, तो यह सरकार की पारदर्शिता की नीति पर सवाल खड़े करेगा।इस पूरे विवाद ने नेहरू की विरासत को एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बना दिया है। लेकिन यह केवल विरासत की लड़ाई नहीं है, यह उस विश्वास की लड़ाई भी है जो जनता अपने इतिहास, अपने दस्तावेजों और अपने लोकतंत्र से करती है।अब फैसला अदालत को करना है कि देश का इतिहास बंद पेटियों में रहेगा या देश के हर नागरिक की नजर के सामने खुलेगा।

नफरत, युद्ध और कराहती मानवता

विश्व युद्ध की आशंका से पूरी दुनिया की मानवता पूरी तरह से सहमी हुई है। रूस-यूक्रेन, इसराइल-हमास-फिलिस्तीन युद्ध और अब इसराइल ईरान अमेरिका का भयावह संग्राम पता नहीं पृथ्वी और उसके निवासियों को किस अशांति और हिंसा की दिशा में ले जाएगा? भारत ने पहलगाम में आतंकवादी हमले से 27 निरीह लोगों की हत्या के परिणाम स्वरूप जवाबी कार्रवाई पर ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों तथा लगभग 21 हवाई ठिकानों को नष्ट करना पड़ा तब जाकर पाकिस्तान घुटनों पर आया और संधि वार्ता के लिए रहम की भीख मांगता रहा। इसराइल पर हमास ने आतंकवादी हमला कर 1200 लोगों की जान ले ली उसे आतंकवादी हमले के जवाब में इजरायल हमास तथा गाजा पट्टी को समूल नष्ट करने पर उतारू है और वर्तमान स्थिति में इजरायल ईरान और अमेरिका के महायुद्ध ने वैश्विक परिदृश्य में पूरी दुनिया को बारूद के ढेर पर बैठा दिया है। अमेरिका ने ईरान के परमाणु ईंधन संग्रहण ठिकानों पर बुरी तरह से हमला करके ईरान इजरायल युद्ध में आग में घी का काम कर दिया, जवाब में ईरान ने इजरायल के 14 शहरों में अपनी बैलिस्टिक टारगेटेड मिसाइल से हमला करके अपनी युद्ध नीति के जारी रखने की नियत को स्पष्ट कर दिया है। अमेरिका के इजरायल की तरफ से ईरान पर अनावश्यक आक्रमण से ईरान की तरफ से अब उत्तर कोरिया, रूस और चीन भी इस महासंग्राम में शामिल होते दिखाई दे रहे हैं। दूसरी तरफ रूस ने यूक्रेन पर अपनी विस्तारवादी सनक के कारण ताबड़तोड़ हमले किये, ताजा स्थिति में जब यूक्रेन के सैकड़ो ड्रोन अटैक से उसके कई फाइटर जेट नष्ट हुए हैं। नतीजतन रूस ने भी यूक्रेन पर लगातार श्रृंखला में आक्रमण शुरू कर दिया है। किसी देश की विस्तारवादी लालसा को भी आतंकवाद की श्रेणी में रखा जा सकता है।

अपनी भौगोलिक सीमाओं का विस्तार भी आतंकवाद है।

अपनी भौगोलिक सीमाओं को आगे ले जाना और अपनी देश की पड़ोसी देश की इच्छा के विरुद्ध उसे पर हमला करना भी एक तरह का राजनीतिक आतंकवाद ही है। इन सब के प्रणाम स्वरूप विश्व युद्ध को विकल्प के तौर पर नहीं माना जाना चाहिए विश्व युद्ध मानवता के लिए एवं मानवीय जगत के लिए अभिशाप भी माना जाता है। हमलायुद्ध और हिंसा क्रोध से शुरू होकर पश्चाताप और दुखों के चिंतन में खत्म होता है। मौजूदा रूप से इसराइल हमास युद्ध में हजारों लोगों की जानें चली गई और लाखों फिलिस्तीनी लोग बेघर हो गए, ईरानी राष्ट्रपति रईस की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत भी इसराइल की प्रति हिंसा का परिणाम माना जा रहा है विस्तृत जांच होना शेष है।युद्ध अभी तक थमा नहीं है युद्ध की चिंगारी एक दूसरे आक्रमण करने से भड़कती नजर आ रही है न जाने इसका अंजाम क्या होगा। इसी तरह रूस और यूक्रेन युद्ध कि इतने दिनो से ज्यादा के युद्ध की परिणति में शिवाय पश्चाताप के कुछ नहीं है' रूस अपने सनकी राष्ट्रपति पुतिन की जिद की बलि चढ़ गया है। वह यूक्रेन से जीत कर भी मानसिक और वैचारिक रूप से हार गया है' रूस अपने को जितना बलशाली, शक्तिशाली समझता था अब उसकी पोल खुल गई है, 3 सालों में युद्ध में रूस यूक्रेन जैसे छोटे देश को जीत नहीं पाया है' यूक्रेन भी अपनी राष्ट्रपति की हठधर्मिता के कारण पूर्ण रूप से बर्बाद हो चुका है. यूक्रेन के 1करोड़40लाख नागरिक देश छोड़कर शरणार्थी बन चुके हैं। 40 हजार इमारतें बर्बाद हुई 20 लाख बच्चे घरों से दूर होकर शिक्षा से वंचित हो गए। ईसी तरह यूक्रेन तथा रूस के लगभग 50 हजार सैनिक युद्ध में मारे गए है।यह युद्ध की विभीषिका कहां तक जाएगी इसका आकलन करना तो कठिन है पर इसके परिणाम अत्यंत अमानवीय,कारुणिक और आर्थिक नुकसान देने वाले साबित हुए हैं।

रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन के तथाकथित दोस्तों अमेरिका तथा नैटो देशों ने सक्रियता से मैदान में साथ नहीं दिया, केवल दूर से यूक्रेन को शाबाशी देते रहे यूक्रेन अब संपूर्ण बबार्दी के कगार पर है। रूस का उसके अपने ही राष्ट्र में युद्ध के खिलाफ विरोध के स्वर उभर रहे हैं। नोबेल पुरस्कार प्राप्त पत्रकार ने अपने पूर्व में प्राप्त नोबेल पुरस्कार मेडल को बेचने का ऐलान किया है एवं यूक्रेन में मरने वाले हजारों बच्चों के हित में वह धनराशि रेड क्रॉस को प्रदान करेगा। पत्रकार ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का रूस की जनता अंदरूनी तौर पर विरोध करती है एवं भारी असंतोष भी है' मैं आपको रूस यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि का इतिहास बताता हूं।

यूक्रेन एक छोटा सा राज्य है, उसकी सैन्य शक्ति भी इतनी क्षमतावान नहीं है कि रूस या अन्य शक्तिशाली देश का सैन्य मुकाबला कर सके,पर अमेरिका, ब्रिटेन और नाटो के 30 देशों के बहकावे में आकर उसने रूस को नाराज करना शुरू कर दिया था। यूक्रेन को यकीन था कि रूस के आक्रमण के समय अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इजरायल और नाटो के कई देश उसकी रक्षा करेंगे, पर ताकतवर,शक्तिमान रूस के हमले के सामने ना तो अमेरिका ने अपना सैन्य आक्रमण किया ना ब्रिटेन ने अपनी सेना ही भेजी और ना ही अन्य नाटो देश में रूस के खिलाफ किसी तरह की जंग ही की है ,केवल दूर से बैठकर समझौते करने की बात करते रहे और रूस के आक्रमण की निंदा ही की है। यह आलेख लिखते तक रूस ने कीव पर कब्जा भी कर लिया होगा और उसके समस्त एयर बेस सैनिक अड्डों को नष्ट कर दिया है। यूक्रेन का एयर डिफेंस पूरी तरह चरमरा गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने बताया कि रूस ने सभी सैनिक हवाई अड्डों पर रॉकेट लॉन्चर दाग कर उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया है, यूक्रेन के लगभग 40 सैनिकों को मार भी गिराया है, इसमें 10 निर्दोष नागरिक भी मारे गए हैं। रूस ने दावा किया था कि वह नागरिक ठिकानों पर बमबारी नहीं करेंगा पर मिसाइल तथा गोलियां सैनिकों तथा नागरिकों को अलग-अलग नहीं पहचानती है, और यही वजह है कि सैनिकों के साथ नागरिक भी मारे गए। वर्ष 1914 में यूक्रेन से रूस ने क्रीमिया को अलग कर अपने अधिपत्य में ले लिया था। रूस का कहना है कि अमेरिका ब्रिटेन और नाटो देश यूक्रेन को एक न्यू क्लियर सामरिक अड्डा रूस के खिलाफ बनाने की तैयारी कर चुके हैं, और इन सभी देशों के साथ यूक्रेन भी रूस की प्रतिरक्षा प्रणाली को बहुत बड़ा खतरा बन गया है। यूक्रेन पर अमेरिकी प्रशासन का पूरा पूरा नियंत्रण है, यूक्रेन प्रशासन केवल कठपुतली मात्र है। इसे संचालित करने वाला अमेरिका तथा ब्रिटेन ही है। यूक्रेन लगातार नाटो देश की सदस्यता के लिए प्रयास करता रहा है और अमेरिका चाहता है कि यूक्रेन नाटो देश का सदस्य बन कर रूस के खिलाफ एक सामरिक अड्डे की तरह उनके काम आए। तत्कालिक कारणों में रूप द्वारा गैस तथा तेल के लिए बिछाई गई पाइप लाइन जो जर्मन तक गैस तथा तेल पहुंचाने के लिए एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ थी। जर्मन एक बहुत बड़ा तेल तथा गैस का बाजार है, यहां से सारे यूरोप में आर्थिक गतिविधि शुरू होकर गैस तथा तेल की सप्लाई की जाती है जो कि एक महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र है

यह गैस पाइपलाइन यूक्रेन के क्षेत्र से होकर जनवरी तक जाती है। इससे नाटो देश को बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान की संभावना भी है। दूसरी तरफ यूक्रेन, क्रीमिया को अपने पास वापस अपने अधिपत्य में लेना चाहता है, जो वर्तमान में रूस के कब्जे में है, इसके अलावा रूस ने यूक्रेन के दो बड़े क्षेत्र लुहानस्क और डोनट्स रिपब्लिक को राज्य के रूप में मान्यता दे दी है, यह बहुत बड़े क्षेत्र और इन्हीं के माध्यम से उसने अपनी सेना को यूक्रेन में दाखिल भी किया था। इन दो बड़े रिपब्लिक को देश की तरह मान्यता देने पर अमेरिका तथा ब्रिटेन और नाटो देशों ने अंतरराष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन की बात कह कर भरपूर सार्वजनिक निंदा भी की है और किसी स्वतंत्र देश की प्रभुसत्ता पर हस्तक्षेप भी बताया है। निश्चित तौर पर भारत के यूक्रेन तथा रूस के साथ अच्छे संबंधों के कारण शांति बहाली की अपील कर रहा है, और इसका असर भी हो सकता है। यह तो तय है कि रूस और यूक्रेन के बीच यदि युद्ध में कोई भी विदेशी ताकत हस्तक्षेप करती है, तो विश्व युद्ध की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। रूस ने यूक्रेन की मदद के लिए किसी भी देश के आने पर भयानक अमेरिका ब्रिटेन और नाटो देशों की भूमिका सदैव संदिग्ध ही रही है।

मीठी नदी गाद घोटाला: असली दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर विधायक प्रसाद लाड की ED कार्यालय में भेंट

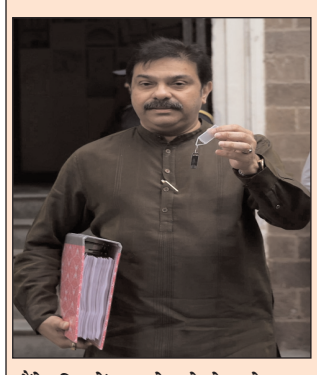

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मीठी नदी की गाद निकासी में हुए आर्थिक घोटाले के सिलसिले में महाराष्ट्र विधान परिषद के विधायक प्रसाद लाड ने आज मुंबई स्थित प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संयुक्त निदेशक से विस्तार से चर्चा कर इस मामले से जुड़ी और जानकारी साझा की। इस मुलाकात में विधायक लाड ने संबंधित अधिकारियों को एक पेन ड्राइव और 500 पन्नों के दस्तावेज सौंपे, जिनमें इस घोटाले से जुड़े महत्वपूर्ण सबूत और जानकारियाँ शामिल हैं। विधायक लाड ने कहा, ₹आज मैंने एऊके हाथ में एक 'पेन ड्राइव बम' सौंपा है। इस पेन ड्राइव से कई खुलासे होंगे। हमारी मांग साफ है—जांच सही दिशा में होनी चाहिए और मिठी नदी की गाद असल में किसकी जेब में गई, यह जनता के सामने आना चाहिए! उन्होंने आगे कहा, ₹इस मामले में केवल पिछले दो वर्षों की नहीं, बल्कि पिछले 15 वर्षों की जांच होनी चाहिए, क्योंकि इसके तार मुंबई से लेकर दुबई और दुबई से लंदन तक जुड़े हुए हैं। हर साल मानसून से पहले मुंबई महानगरपालिका मिठी नदी से गाद निकालने के लिए बड़े पैमाने पर टेंडर प्रक्रिया अपनाती है। लेकिन विधायक लाड के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में लगभग 1150 से 1200 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है, जिससे मुंबई के करदाताओं को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ संदिग्ध योजनाओं के माध्यम से गाद निकालने के ठेकों में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं की गई हैं। यह एक बेहद चौंकाने वाली आर्थिक धोखाधड़ी है, और इसमें शामिल सभी उच्च अधिकारियों की जांच कर असली दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए ऐसी उनकी स्पष्ट और दृढ़ मांग है।

पेटीएम ने यूपीआई-लिंक बैंक खातों के लिए कुल शेषराशि जांचने की सुविधा शुरू की

मुंबई। भारत की अग्रणी भुगतान और वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी पेटीएम अब उपयोगकताओं को जो पेटीएम अनुप्रयोग पर यूपीआई के लिए कई बैंक खाते लिंक किए हुए हैं, एक ही स्थान पर कुल बैंक खाता शेषराशि देखने की सुविधा प्रदान करती है, जिससे मैन्युअल जोड़ने या अनुप्रयोग बदलने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। यह धनराशि का एकीकृत दृश्य देकर वित्तीय प्रबंधन को सरल बनाती है और प्रत्येक बैंक खाते की शेषराशि भी प्रदर्शित करती है ताकि वित्तीय जानकारी अधिक स्पष्ट हो सके। पहले, खाता धारकों को प्रत्येक बैंक खाते की शेषराशि अलग-अलग जांचनी पड़ती थी और कुल राशि को स्वयं जोड़ना पड़ता था। इस सुविधा के साथ, पेटीएम यूपीआई गुप्त पहचान संख्या सत्यापन के बाद प्रत्येक बैंक खाते की शेषराशि को सुरक्षित रूप से प्राप्त करता है और तुरंत कुल शेषराशि को प्रदर्शित करता है, जिससे निधि प्रबंधन अधिक सरल और तेज हो जाता है। यह सेवा उन उपयोगकताओं के लिए उपलब्ध है जिन्होंने पेटीएम अनुप्रयोग पर अपने बैंक खातों को यूपीआई के लिए लिंक किया है, और यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी है जो बचत, व्यय या वेतन प्राप्ति के लिए अनेक खाते बनाए रखते हैं और प्रायः अपनी कुल वित्तीय स्थिति की जानकारी खो देते हैं। पेटीएम प्रवक्ता ने कहा, हम निरंतर नवाचार के माध्यम से वित्तीय प्रबंधन को सरल बनाने में विश्वास रखते हैं। कुल शेषराशि दृश्य के साथ, वे उपयोगकर्ता जिन्होंने पेटीएम अनुप्रयोग पर अनेक बैंक खातों को यूपीआई से जोड़ा है, वे सहज रूप से कुल और व्यक्तिगत बैंक शेषराशि देख सकते हैं। इससे व्यय पर निगरानी, व्यय की योजना बनाना, बचत प्रबंधन और सूचित वित्तीय निर्णय लेना सरल होता है। कंपनी ने मोबाइल भुगतान को अधिक सुरक्षित और प्रभावशाली बनाने के लिए अनेक नवाचार प्रस्तुत किए हैं। इनमें विशिष्ट भुगतान को छिपाने या दिखाने की सुविधा, त्वरित लेनदेन के लिए गृहपृष्ठ विजेट जैसे ह्यधन प्राप्त करेंह्न, ऐसे व्यक्तिगत यूपीआई पहचान जिनसे उपयोगकर्ता अद्वितीय और याद रखने में सरल पहचान बना सकते हैं जबकि उनका मोबाइल क्रमांक गोपनीय रहता है, तथा यूपीआई विवरणों को पीडीएफ या गणनापत्र प्रारूप में डाउनलोड करने का विकल्प शामिल हैं। भारत से परे मोबाइल भुगतान को विस्तार देते हुए, पेटीएम अब संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, फ्रांस, मॉरीशस, भूटान, श्रीलंका और नेपाल जैसे देशों में यूपीआई लेनदेन को सक्षम करता है, जिससे विदेश यात्रा कर रहे भारतीयों के लिए भुगतान प्रक्रिया अधिक सुगम होती है।

सुपरफॉर्म ने अपनी दाहेज और झागड़िया विनिर्माण इकाइयों के लिए आईएससीसी प्लस प्रमाणन प्राप्त किया

मुंबई। सुपरफॉर्म केमिस्ट्रीज लिमिटेड , जो पहले यूपीएल स्पेशियलिटी केमिकल्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, ने गुजरात के दाहेज और झागड़िया में अपनी विनिर्माण इकाइयों के लिए प्रतिष्ठित ह्यआईएससीसी प्लस प्रमाणनह्न प्राप्त किया है। यह मान्यता संगठन की स्थायी विनिर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। यह प्रमाणन उन विशेष रसायनों के लिए है जैसे कि क्लोर-आल्कली, फॉस्फोरस, सल्फर, सायनाइड और फॉस्जीन आधारित रसायन, जो दोनों साइटों पर नवीकरणीय व अक्षय ऊर्जा-आधारित कच्चे माल (फीडस्टॉक्स) का उपयोग करके निर्मित किए गए हैं। प्रमाणित उत्पादों में कैस्टिक सोड़ा, क्लोरीन, हाइड्रोजन, फॉस्फोरस ट्राइक्लोराइड, डाइएथिल फॉस्फाइट, ट्राइएथिल फॉस्फाइट, ट्रिमिथाइल फॉस्फाइट, फॉस्फोरस ऑक्सीक्लोराइड, डीपीएमपी, सोडियम सल्फाइड, सोडियम हाइड्रोजन सल्फाइड, सोडियम सायनाइड, सायन्यूरिक क्लोराइड, फेनिल क्लोरोफॉर्मेट, मिथाइल क्लोरोफॉर्मेट, एथाइल क्लोरोफॉर्मेट, 2-एथाइल हेक्साइल क्लोरोफॉर्मेट और फेनिल आइसायनोनेट शामिल हैं। सुपरफॉर्म की ब्रांड स्थिति को मजबूत करने के अलावा, यह मान्यता लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं, पूर्ण ट्रेसिबिलिटी, कार्बन फुटप्रिंट मॉनिटरिंग और स्थायी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के विकास के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। इस उपलब्धि के बारे में बात करते हुए, सुपरफॉर्म के सीईओ श्री राज तिवारी ने कहा, हमें आईएससीसी प्लस प्रमाणन प्राप्त होने पर गर्व है। यह हमारे स्थायी विनिर्माण के प्रति हमारे अडिग संकल्प का प्रतीक है। यह उपलब्धि न केवल हमारे हितधारकों (स्टेकहोल्डर्स) के साथ हमारी विश्वसनीयता को मजबूत करती है, बल्कि हमें भविष्य के नियामक परिदृश्यों को नेविगेट करने और पर्यावरणीय जिम्मेदार और ट्रेसेबल उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने में भी समर्थ बनाती है। यह हमें हमारे विनिर्माण इकाइयों में स्थायी प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करती है, जिससे उद्योग की अग्रणी मानकों के साथ मेल खाती है और जिम्मेदार उत्पादन के नए मानक स्थापित होते हैं। इंटरनेशनल सस्टेनेबिलिटी एंड कार्बन सर्टिफिकेशन (आईएससीसी) एक विश्वसनीय, स्वतंत्र मल्टी-स्टेकहोल्डर प्रमाणन प्रणाली है, जो स्थायी, वनों की कटाई-मुक्त।

फर्जी डॉक्टरों पर लगाम कसने के लिए सख्त कार्रवाई के आदेश

जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड ने जिलास्तरीय समिति की बैठक में दिये निर्देश

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले में बोगस डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए पालघर की जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड ने संबंधित अधिकारियों को प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। यह निर्देश उन्होंने जिलास्तरीय फर्जी चिकित्सकीय व्यवसाय जांच समिति की बैठक के दौरान दिए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. जाखड ने कहा कि जिले और तहसील स्तर की समितियों को अपने कार्यक्षेत्र में सभी चिकित्सकों की शैक्षणिक पात्रता की पूर्ण और निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। एक बार यह प्रक्रिया पूरी हो जाने पर नए खुलने वाले क्लिनिक और

उनके संचालकों की वैधता की जांच आसान हो जाएगी। इस बैठक में जिलापरिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. रामदास मराड, जिला आरोग्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, सहायक जिला आरोग्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंके, सभी तहसील चिकित्सा अधिकारी एवं पुलिस विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

डॉ. जाखड ने कहा कि यदि जांच में कोई व्यक्ति अनधिकृत रूप से चिकित्सा व्यवसाय करते हुए पाया जाता है, तो उसके खिलाफ तत्काल आपराधिक मामला दर्ज किया जाए। इसके साथ ही सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों की भी गंभीरता से जांच कर, दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि फर्जी डॉक्टरों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और जिले में इस प्रकार के गैरकानूनी व्यवसाय पर पूरी तरह से रोक लगाई जायेगी।

पालघर में आपातकाल की 50वीं बरसी पर विशेष कार्यक्रम का होगा आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। देश में लगाए गए आपातकाल को 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 25 जून को पालघर जिला नियोजन सभागृह में ह्यसंविधान हत्या दिवसह्न का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे शुरू होगा। ज्ञात हो कि 25 जून 1975 से 31 मार्च 1977 तक देश में आपातकाल लागू किया गया था। इस अवधि के दौरान जिन लोगों को राजनीतिक कारणों से जेल में रहना पड़ा, उनका सार्वजनिक सम्मान भी इस अवसर पर किया जायेगा। जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड उनके सम्मान में प्रतीकात्मक रूप से अभिनंदन करेंगी। इस मौके पर आपातकाल की घटनाओं पर आधारित दुर्लभ छायाचित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है। यह प्रदर्शनी जिला ग्रंथालय कार्यालय, प्रशासकीय इमारत अ, प्रथम मंजिल, कक्ष क्र. 106 में आयोजित की गई है। जिलाधिकारी डॉ. जाखड ने जिले के नागरिकों से इस ऐतिहासिक प्रदर्शनी को देखने की अपील की है। साथ ही जिले के सभी सिनेमाघरों में आपातकाल के समय की सच्चाई को उजागर करने वाली लघु डॉक्युमेंट्री फिल्मों का प्रसारण किया जाएगा ताकि आम जनता उस कालखंड की गंभीरता को समझ सके।

होम क्रेडिट इंडिया के दि ग्रेट इंडियन वॉलेट 2025 में भारत की वित्तीय नब्ज का आकलन

मुंबई। होम क्रेडिट इंडिया, एक अग्रणी कनज्यूमर फाइनेंस कंपनी, ने आज अपनी महत्वपूर्ण रिपोर्ट 'द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2025' के तीसरे संस्करण के निष्कर्षों का अनावरण किया। इस वर्ष के अध्ययन में यह बात सामने आई है कि निम्न मध्यम वर्ग के भारतीयों की वित्तीय बेहतरी के दृष्टिकोण में एक परिवर्तनकारी बदलाव आया है। 'मैपिंग इंडियाज एस्पिरेशन्सः द ड्रीम्स इन एवरी वॉलेट' की थीम के साथ, यह अध्ययन देश के दो-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है और एक लचीले, आशावादी और तेजी से डिजिटल हो रही आबादी की तस्वीर पेश करता है, जो न केवल जीवंत है, बल्कि अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए फल-फूल रहा है।

यह अध्ययन वित्तीय बेहतरी के सूचकांक से प्राप्त अंतर्दृष्टि के साथ-साथ आय, व्यय, वॉलेट शेयर, आकांक्षाओं और विवेकाधीन खर्च पर विस्तृत डेटा का लाभ उठाते हुए, पूरे देश में उपभोक्ताओं के वित्तीय जीवन की एक झलक प्रदान करता है। अध्ययन के अनुसार, देश की वित्तीय नब्ज मजबूत बनी हुई है, उपभोक्ता बढ़ती लागतों के अनुकूल होते हुए व्यावहारिक योजना और तेजी से महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण प्रदर्शित कर रहे हैं। यह भावना विशेष रूप से शिक्षा, नौकरी के अवसरों और किफायती ऋण की इच्छा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर उनके ध्यान में स्पष्ट है।

होम क्रेडिट इंडिया के मुख्य विपणन अधिकारी, आशीष तिवारी ने कहा, ₹जब हमने 2023 में 'द ग्रेट इंडियन वॉलेट स्टडी' शुरू की, तो हम भारत की वित्तीय धड़कन को समझना चाहते थे। हमने जो पाया वह चुपचाप क्रांति की ओर बढ़ता एक देश था ।

पुल के नीचे फंसी बोट को जिला प्रशासन ने सुरक्षित निकाला

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के मासवण गांव के पास सूर्या नदी में पुल के नीचे फंसी निर्माण कार्य में इस्तेमाल की जा रही एक बोट को जिला प्रशासन ने अथक प्रयासों के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यह बोट रविवार 23 जून की शाम करीब 6 बजे नदी के तेज बहाव के कारण मासवण पुल के नीचे फंस गई थी। जैसे ही जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ को घटना की जानकारी मिली, उन्होंने तत्काल संबंधित विभागों को बोट को सुरक्षित बाहर निकालने के निर्देश दिए। प्रशासन को आशंका थी कि अगर नदी में जलप्रवाह और कम हुआ तो बोट बहकर पास के बंधारे को नुकसान पहुँचा सकती है।

बारिश के कारण रात में राहत कार्यों में बाधा उत्पन्न हुई, लेकिन प्रशासन ने बोट को नियंत्रण में रखा। सोमवार सुबह बारिश की रफ्तार कम होते ही सुबह 10 बजे बोट को सुरक्षित निकालने का कार्य पुनः शुरू हुआ और जिसके कारण सफलता मिल गयी। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, महसूल विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, पुलिस विभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) एवं प्रादेशिक प्रतिसाद केंद्र ने समन्वय कर बिना किसी नुकसान के ऑपरेशन को अंजाम दिया।प्रशासन की तत्परता और समन्वित कार्य प्रणाली के चलते एक संभावित बड़ी दुर्घटना को टाल दिया गया। इस दौरान निवासी उपजिलाधिकारी एवं जिला आपदा प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुभाष भागडे, पालघर तहसीलदार रमेश शेंडगे, और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विवेकानंद कदम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति पर नजर रखी।

भांडुप में लगातार बारिश के कारण दीवार गिरी, दो बच्चों समेत तीन घायल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सोमवार को रात भर हुई लगातार बारिश के कारण भांडुप में आज सुबह (मंगलवार) एक घर की दीवार गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में एक बुजुर्ग महिला और दो बच्चे घायल हो गए। घटना भांडुप (पश्चिम) इलाके में हुई और घायलों को पास के एमटी अग्रवाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दीवार भांडुप पश्चिम के हनुमान नगर में पंजाब चॉल में नाले से सटी हुई थी। हादसा सुबह 7 बजे हुआ। अधिकारी ने बताया कि दीवार गिर गई। घायलों में वनिता विश्वास सावंत (65) और बच्चे योगेश मशीर पाल (5) और मनीषा मशीर पाल (9) शामिल हैं। मनपा के एक

अधिकारी ने बताया कि तीन लोग घायल हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इन घटनाओं के बाद उन्हें तुरंत पास के एमटी अग्रवाल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि अब उनकी हालत स्थिर है। घटना के बाद दमकल विभाग के कर्मचारी, गाड़ियां, हमारे अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंचे। इस और अन्य आवासीय मुद्दों पर आज जोन 7 के पुलिस उपायुक्त राकेश ओला के मार्गदर्शन में पुलिस अधिकारियों की बैठक हुई। बताया गया है कि बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि नागरिकों को क्या मदद दी जा सकती है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या किया जा सकता है। इस बीच, सुबह 7 बजे हुई घटना के बाद मनपा के अधिकारी, एमएफबी और पुलिस के साथ-साथ दमकल विभाग के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि घायलों का अस्पताल में ओपीडी के आधार पर इलाज किया गया।

कल्याण में बिल्डिंग की सुरक्षा दीवार गिरी,12 दोपहिया वाहन और 2 कारें क्षतिग्रस्त

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण शहर के पूर्वी हिस्से के काटेमानेवाली इलाके में योगेश्वर बिल्डिंग की सेफ्टी दीवार आज सुबह गिर गई। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन दीवार गिरने से 12 दोपहिया वाहन और 2 कारें क्षतिग्रस्त हो गईं।

इस दीवार के बगल में निर्माण कार्य चल रहा है। सेफ्टी दीवार को लगाकर निर्माण सामग्री रखी गई थी। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि सेफ्टी दीवार पर निर्माण सामग्री के दबाव के कारण दीवार गिर गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही महेश गायकवाड़ मौके पर पहुंचे । उन्होंने घटना का निरीक्षण किया। और सम्बंधित विकासक को फोन कर क्षतिग्रस्त वाहनों के मलिकों को तत्काल मुवावजा देने की बात कही । महेश गायकवाड़ ने यह भी मांग की है कि गिरी हुई दीवार को फिर से बनाया जाए। अगर विकासक ने ऐसा नही किया तो उनके प्रोजेक्ट को चलने नही दिया जाएगा ।

शिवम ऑटोमोबाइल्स सवालों के घेरे में टू-व्हीलर की मरम्मत निजी गेराज में, ग्राहकों में असमंजस

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मारुति सुजुकी का अधिकृत डीलर कहे जाने वाला शिवम ऑटोमोबाइल्स इन दिनों गंभीर सवालों के घेरे में है। मामला उस टू-व्हीलर से जुड़ा है, जिसका उपयोग शोरूम द्वारा ग्राहकों को पिकअप-ड्रॉप सुविधा देने के लिए किया जाता था। लेकिन अब वही गाड़ी न तो मरम्मत की स्थिति में है और न ही कंपनी के किसी अधिकृत सर्विस सेंटर में देखी जा रही है। उल्टा, जानकारी के अनुसार, यह टू-व्हीलर बोईसर सिडको इलाके के एक निजी गैराज में बीते एक महीने से खड़ी है। सूत्रों के मुताबिक, रात 11:30 बजे शोरूम के एक व्यवस्थापक द्वारा उस टू-व्हीलर का एक्सीडेंट हो गया था। तब से वह वाहन निजी गैराज में पड़ा है। गौर करने वाली बात यह है कि कंपनी का खुद का टू-व्हीलर किसी अधिकृत मारुति सर्विस सेंटर की बजाय, गैर अधिकृत जगह पर मरम्मत के लिए खड़ा है। इससे शोरूम की कार्यप्रणाली और ग्राहकों के लिए दी जा रही गुणवत्ता सेवा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय ग्राहकों का कहना है कि जिस वाहन से उन्हें ड्रॉप किया जाता था, उसकी हालत पहले ही खराब थी—फटी सीट, जर्जर स्थिति और अब हादसा। इससे भी बड़ी बात, शोरूम के पास अब कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। ऐसे में ग्राहकों को न सुविधा मिल रही है, न सुरक्षा। कई ग्राहक अब मारुति सुजुकी कस्टमर केयर (18001021800) पर शिकायत दर्ज कराने की तैयारी में हैं। एक ग्राहक ने नाराजगी जताते हुए कहा, ₹अगर कंपनी खुद अपनी गाड़ी का ध्यान नहीं रख सकती, तो हमारे वाहनों की जिम्मेदारी कैसे लेगी?₹ वहीं कुछ लोगों का यह भी कहना है कि टू-व्हीलर के बजाय कंपनी को चार-पहिया वाहन से पिकअप-ड्रॉप सुविधा देनी चाहिए, ताकि ग्राहक को सुरक्षित और सम्मानजनक सेवा मिल सके। पूरे मामले पर शिवम ऑटोमोबाइल्स की ओर से कोई आधिकारिक बयान या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन ग्राहकों की बढ़ती नाराजगी को देखते हुए यह जरूरी हो गया है कि शोरूम प्रबंधन पारदर्शिता बरते और जल्द से जल्द समाधान की दिशा में कदम उठाए। ऑटोमोबाइल उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि एक अधिकृत डीलर को अपने व्यवहार से उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए, ताकि ग्राहक सेवा का भरोसा बना रहे। लेकिन यदि वही डीलर गैर अधिकृत विकल्पों का सहारा लेता है, तो इससे कंपनी की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अब देखना यह होगा कि शिवम ऑटोमोबाइल्स प्रबंधन इस गंभीर लापरवाही का संज्ञान लेता है या नहीं।

रंगीत और प्रथम मुंबई की कक्षाओं में ला रहे हैं खेल-आधारित शिक्षा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। साझा मूल्यों और समग्र शिक्षा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता पर आधारित साझेदारी में, रंगीत, एक एम्पेक्ट फर्स्ट सामाजिक उद्यम, और प्रथम मुंबई शिक्षा पहल, भारत के सबसे भरोसेमंद शिक्षा गैर-लाभकारी संगठनों में से एक ने हाथ मिलाया है। वे रंगीत के स्वामित्व वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म और सामाजिक भावनात्मक और पारिस्थितिक ज्ञान पाठ्यक्रम और शिक्षण संसाधनों को मुंबई के सरकारी स्कूलों में ला रहे हैं। आज तक रंगीत ने पूरे भारत में 500,000 बच्चों को प्रभावित किया है। मुंबई में रंगीत-प्रथम की साझेदारी 10,000 बच्चों से शुरू हुई थी और इस साल यह बढ़कर लगभग 28,000 बच्चों, 500 शिक्षकों और 50 स्कूलों तक पहुंच गई है। रंगीत शिक्षकों, अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों को हर बच्चे को सफल होने के लिए जरूरी कौशल विकसित करने में मदद करता है। रएएड एक ऐसी दुनिया में सफल होने के लिए जरूरी कौशल को बढ़ावा देकर बेहतर शिक्षार्थी, नेता और देखभाल

करने वाले विकसित करता है जहाँ शिक्षा भविष्य की नौकरियों की तरह तेजी से विकसित नहीं हो रही है। यूनिसेफ के सहयोग से 1994 में स्थापित प्रथम ने लंबे समय से हर बच्चा स्कूल जाए और अच्छी तरह से सीखे के मिशन को आगे बढ़ाया है।

इसका दृष्टिकोण हमेशा सीखने के अंतराल को पाटने और पूरे भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने के लिए अभिनव, कम लागत वाले और स्केलेबल समाधानों पर केंद्रित रहा है, इसलिए रंगीत के साथ सहयोग को बढ़ावा मिला है रंगीत की सीईओ और सह-संस्थापक सिमरन मूलचंदानी ने कहा, प्रथम के साथ सहयोग करके हमें बेहद खुशी हो रही है। यह एक ऐसा संगठन है जिसके काम की हम वर्षों से प्रशंसा करते आए हैं और जिससे हमें बहुत कुछ सीखना है। हमने देश भर के रंगीत कक्षाओं से अद्भुत कहानियाँ सुनी हैं, जिनमें उत्तराखंड में महिलाओं के अधिकारों के लिए खड़े होने वाले युवा लड़के, राजस्थान में जल संरक्षण के लिए अभियान चलाने वाले बच्चे और झारखंड में रंगीत दिवस पर उपस्थिति में वृद्धि शामिल है। हमारे लिए सफलता ऐसी कई और कहानियाँ सुनना होगी और बड़े पैमाने पर।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मुंगराबादशाहपुर से चारधाम यात्रा पर गए पिता-पुत्री की भूस्खलन में दबकर मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर चारधाम यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं की टोली पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उत्तराखंड के यमुनोत्तरी मार्ग पर सोमवार दोपहर करीब 3 बजे हुए भयंकर भूस्खलन में मुंगराबादशाहपुर के 40 वर्षीय हरिशंकर गुप्ता और उनकी 7 वर्षीय पुत्री ख्याति उर्फ बिट्टू की मलबे में दबकर दर्दनाक मौत हो गई।जानकारी के अनुसार, 20 जून को मुंगराबादशाहपुर से 15 लोगों का एक दल चारधाम यात्रा के लिए रवाना हुआ था। यह यात्रा आध्यात्मिक आनंद की तलाश में थी।मगर अचानक आई इस प्राकृतिक आपदा ने यात्रा को मातम में बदल दिया।

घटना उस समय हुई जब सभी यात्री कैंची धाम के दर्शन के लिए यमुनोत्तरी की ओर बढ़ रहे थे। रास्ते में अचानक पहाड़ का एक हिस्सा टूटकर सड़क पर गिर पड़ा, जिसमें हरिशंकर और उनकी मासूम बेटी दब गए। मौके पर राहत कार्य चलाया गया, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।उनके गांव और परिवार में कोहराम मचा है। हरिशंकर गुप्ता व्यापारी के रूप में क्षेत्र में जाने जाते थे। बेटी ख्याति अभी पहली कक्षा में पढ़ रही थी।श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पर फिर सवाल खड़े हो रहे हैं।मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी को क्यों नहीं लिया गया गंभीरता से।

जौनपुर में इंडक्शन चूल्हे की मरम्मत के नाम पर महिला से हुई ऑनलाइन लाखों की ठगी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जीनत आरा पत्नी अफजल खा नि० बिऊर थाना चैनपुर जिला भभुआ बिहार की रहने वाली है वर्तमान में अपने संबंधी अब्दुल कैस निवासी हुसैनाबाद न्यू कालोनी जागृति विला थाना लाइन बाजार जौनपुर के यहाँ आयी हुई है दिनांक 20.06.25 को उसने आँनलाइन खरीदे गये इंडक्शन चूल्हे की मरम्मत के लिए कम्पनी के टोल फ्री नम्बर 180010 पर फोन किया तो बताया गया कि आप फ्लिपकार्ट के कस्टमर केयर नम्बर गूगल से प्राप्त कर बात कर ले तब उसने गूगल से फ्लिपकार्ट के कस्टमर केयर का नम्बर 73680 प्राप्त कर बात किया तो बताया गया कि 10 मिनट के अन्दर आपको सर्विस उपलब्ध करा दी जायेगी थोडी देर बाद उसी नम्बर से एक

पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी

वीडियो काल आया एवं वीडियो काल के दौरान स्क्रीन शेयर करने को कहा गया उसके मना करने पर कहा गया कि जब आप स्क्रीन शेयर करेंगी तभी लोकेशन आयेगा और हम वहा पर अपना मकैनिक भेज देंगे तब उसके द्वारा स्क्रीन शेयर करने पर उसके द्वारा कहा गया कि फोन पे से पाँच रुपए का रजिस्ट्रेशन करिये रजिस्ट्रेशन करने के लिये उसके द्वारा पिन कोड फोन पे पर डाला गया इसके पश्चात उसके द्वारा मो0न0- 91222 का अन्तिम का पाँच अंक पूछा गया इसके पश्चात ही उसके एकाउन्ट न0 1101386 (केनरा बैंक) से 91222/– रुपए कट गया जिसकी उसने साइबर पोर्टल पर शिकायत उसी दिन करायी है बाद में उसके द्वारा थाना लाइन बाजार पर भी ऑनलाइन फ्रॉड का मुकदमा दर्ज करवाया गया है। लोगों की चाहिए कि ऑनलाइन लेन दें सर्विस के लिए सावधानी पूर्वक ही कार्य करे।

जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण ने जारी किया सर्पदंश से बचाव हेतु एडवाइजरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने अवगत कराया है कि सर्पदंश से बचाव हेतु क्या करें- सबसे पहले पीड़ित व्यक्ति को सोने न दें एवं किसी भी प्रकार की शारीरिक क्रिया न करने दें। जिस व्यक्ति को सांप ने काटा है उस व्यक्ति की घबराहट को दूर करें। क्यों कि उसे जितनी घबराहट होगी, उतनी तेजी से उसके शरीर में जहर फैलता जायेगा। घाव को साबुन एवं साफ पानी से धोएं। मरीज के घाव से किसी भी प्रकार की छेड़-छाड़ न करें। पीड़ित व्यक्ति को नजदीक के चिकित्सालय ले जाएं जहॉ पर डाक्टर एवं एण्टीवेनम उपलब्ध हों। तुरन्त एम्बुलेंस को 1070/112 पर काल करें।

क्या न करें- सांप के जहर को कभी भी चूसकर निकालने की कोशिश न करें, अपने मन से किसी भी प्रकार की दवाई मरीज को न दें, पीड़ित व्यक्ति के सर्पदंश वाले भाग पर किसी भी प्रकार का मलहम न लगायें, सपेरे अथवा तांत्रिक के चक्कर में न पडे, सांप को अकेला छोड़ दें, कई बार सांप के ज्यादा नजदीक आने के कारण लोग सर्पदंश का शिकार बन जाते है। अपने हाथ व पैर को उन स्थानों से यथासंभव दूर रखे, जहॉ पर आपकी दृष्टि न पड़ती हो, जब तक आप सांप की आक्रमण परिधि से सुरक्षित दूरी पर न हों, पत्थर व लकड़ी से मारने का प्रयास न करें। यदि मजबूत चमडे. के जूते न पहने हों तो ऊंची घास वाले स्थानों से दूर रहें। जहॉ तक संभव हो स्वयं को पगडण्डियों तक सीमित रखें।

पूर्वांचल युवा महोत्सव 2025

24 से 26 अक्टूबर तक होगा रंगारंग आयोजन

पूर्वांचल के उभरते कलाकारों को मिलेगा मंच, फिल्म व साहित्य जगत की हस्तियाँ भी होंगी शामिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल की प्रतिभाओं को मंच देने वाला बहुप्रतीक्षित पूर्वांचल युवा महोत्सव इस वर्ष 24, 25 व 26 अक्टूबर को

नव दुर्गा मंदिर, विसर्जन घाट पर भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा। इसकी घोषणा नगर के एक होटल में आयोजित संरक्षक मंडल एवं पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक में की गई।

बैठक में संरक्षक मंडल के सदस्य टी.डी. कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. समर बहादुर सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. मनोज मिश्र और शिक्षा संकाय के डीन प्रो. अजय कुमार दुबे की उपस्थिति में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने आयोजन की सराहना करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव युवाओं को रचनात्मक दिशा देने वाला एक सशक्त मंच है।

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार तिवारी ने बताया कि इस बार न केवल जनपद बल्कि पूरे पूर्वांचल के नवोदित कलाकारों को मौका दिया जाएगा। साथ ही कविता, गायन, नृत्य, वादन, मिमिक्री और फिल्म जगत से जुड़ी नामचीन हस्तियाँ भी महोत्सव की शोभा बढ़ाएँगी। उन्होंने यह भी बताया कि केवल दो वर्षों में ही पूर्वांचल युवा महोत्सव ने जनपद के कलाकारों के बीच अपनी एक विशेष पहचान बना ली है और इस आयोजन का अब हर साल बेसब्री से इंतजार किया जाता है।

बैठक में पूर्व शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार सिंह, संजय सिंह, सभासद मिंटू पाठक, उपेंद्र कुमार मिश्र, बिट्टू किन्नर, चंद्रमणि मिश्र, श्यामिनी सिंह, श्रीमती राखी सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक का संचालन अविनाश दुबे ने किया जबकि आभार आयोजन समिति की महामंत्री निवेदिता राय ने व्यक्त किया।

औद्यानिक खेती का मिला लक्ष्य, समृद्ध होंगे किसान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 सीमा सिंह राणा ने बताया कि वर्ष 2025-26 में जनपद को एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH) योजना के तहत बागवानी फसलों के लिए महत्वपूर्ण लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। यह पहल जौनपुर में बागवानी क्षेत्र के विकास और

किसानों की आय में वृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इन लक्ष्यों में विभिन्न फसलों को शामिल किया गया है। जिसमें सामान्य जाति और अनुसूचित जाति दोनों वर्गों के किसानों को लाभ मिलेगा। विवरण इस प्रकार हैं जिसमें केला, आम, बेल, ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी, शाकभाजी हेतु सामान्य जाति तथा अनुसूचित जाति के लिए लक्ष्य निर्धारित है। उन्होंने अवगत कराया कि यह लक्ष्य जौनपुर में बागवानी को बढ़ावा देने और किसानों को नई, लाभकारी फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने का एक सुनहरा अवसर है। हम सभी पात्र किसानों से अपील करते हैं कि वे इस योजना का लाभ उठाएं और जिले के कृषि विकास में योगदान दें।

यह योजना किसानों को नवीनतम बागवानी तकनीकों को अपनाने और उच्च गुणवत्ता वाली उपज प्राप्त करने में सहायता करेगी। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। पौधरोपण का समय जुलाई माह से शुरू हो जायेगा। इच्छुक कृषक अपना पंजीकरण कराले, योजना का लाभ ह्यप्रथम आवक प्रथम पावकह्व के आधार पर दिया जायेगा। पौधे किसी भी सरकारी पौधशाला या पंजीकृत नर्सरी से ही लें। इच्छुक किसान विस्तृत जानकारी और आवेदन प्रक्रिया के लिए जिला उद्यान विभाग, जौनपुर से संपर्क कर सकते हैं।

आगेर्नाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एण्ड ड्रगिस्ट्स का सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन जौनपुर के तत्वाधान से आगेर्नाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स उत्तर प्रदेश के जोन 1 का सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 22.06.2025 केशवपुर स्थित जे0 एम0 एस0 ग्रैंड होटल में संपन्न हुआ। प्रदेश के 33 जिलो के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव रहे। सभा की अध्यक्षता ओ0सी0डी0 यूपी के अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने किया अतिथियों का स्वागत ओ0सी0डी0 यूपी के जोन महामंत्री श्याम सिंह ने किया। विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारीयो ने सभा के ओपन सेसन में दवा व्यापार से संबंधित समस्याओं को ओ0सी0डी0 यूपी के महामंत्री सुधीर अग्रवाल के सामने रखें जैसे ड्रग लाइसेंस के पोर्टल पर ड्रग लाइसेंस नवीनीकरण एवं पोर्टल से लाइसेंस संबंधित अन्य समस्याएं, दवा कंपनियों के मनमाना व्यवहार, दवाओं में अंधाधुन डिस्काउंट से उपजी समस्या, विगागीय उत्पीड़न प्राइवेट हॉस्पिटल में कंपनियों द्वारा सीधे सप्लाई तथा मोनोपॉली दवाओं की बिक्री जिसकी उपलब्धता बाजार में नही होती है, ओसीडी यूपी के महामंत्री सुधीर अग्रवाल ने माननीय मंत्री जी को केंद्र सरकार द्वारा वन नेशन वन पोर्टल ऑनलाइन नेशनल ड्रग लाइसेंसिंग सिस्टम (डठऊछर) में प्रदेश सरकार का निवेश मित्र से डेटा ट्रान्सफर ना हो पाने से नवीनीकरण संबंधित समस्याओं तथा सदन के माध्यम से उपजे अन्य चिंताओं से अवगत कराया साथ में उन्होंने ऑनलाइन दवा बिक्री से समाज में पढ़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के बारे में अवगत कराएं। मुख्य अतिथि मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने सभा में आए हुए विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों का प्रशंसा करते हुए कहा कि दवा व्यवसायी का समाज के प्रति प्रतिबद्धता सराहनीय है। आपदा हो या कोई मानवीय संकट हो तो दवा संगठन उपलब्ध रहता है। उन्होंने महामंत्री द्वारा उठाए गए मुद्दे, जैसे निवेश मित्र से

ओ0एन0डी0एल0एस0 पोर्टल पर डाटा ट्रांसफर ना हो पाने की समस्या के निराकरण हेतु आश्वासन दिया, उन्होंने ऑनलाइन दवा बिक्री के दुरुपयोग की आशंका को स्वीकार किया तथा इस पर आगे बात करेंगे। उन्होंने विभागीय उत्पीड़न पर कहा कि दवा व्यवसाईयों को निर्भीकता से काम करना चाहिए कानून का राज्य है किसी की धमकी को स्वीकार नहीं करना है, यदि इस तरह कोई मामला संज्ञान में आएगा तो उस पर कार्यवाही होगी। महामंत्री के अनुरोध पर ओ सी डी यूपी की लखनऊ में आगामी सभा के लिए माननीय मुख्यमंत्री के समय के लिए उन्होंने आश्वासन दिया कि समय दिलवाने का प्रयास करेंगे मंच पर उपस्थित अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में ओसीडी यूपी के अध्यक्ष राणा चावला, कोषाध्यक्ष महेश अग्रवाल, संगठन मंत्री शैलेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपाध्यक्ष परमजीत सिंह, पीआरओ योगेंद्र नाथ दुबे, मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने अपने वक्तव्य को मंच से रखें। ओसीडी यूपी के जोन 1 के अध्यक्ष नागमणि मिश्रा ने जोन संबंधित समस्याओं को महामंत्री को अवगत कराया, जिसे महामंत्री ने समाधान के लिए आश्वासन दिए। सभा की अध्यक्षता कर रहे ओसीडी यूपी के अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने सभी को सही एवं सुरक्षित व्यवसाय करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि दवा व्यवसाय केवल व्यवसाय ही नहीं बल्कि सेवा का माध्यम है। मनमाना डिस्काउंट पर चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि इससे व्यवसाय समाप्त हो जायेगा इससे किसी का भला नहीं होगा। हॉस्पिटल में मोनोपोली दवा की बिक्री जिस पर मनमाना मूल्य और जिसकी उपलब्धता बाहर नही होती है ऐसी कंपनियों को चिन्हित किया जाय। अंत में सभा का समापन करते हुए उन्होंने मंचस्थ और सभा में आए हुए सभी प्रतिनिधियों का आभार प्रकट किया तथा सम्मेलन को सफल बनने में केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन जौनपुर के पदाधिकारियों के योगदान को सराहा और धन्यवाद दिया।मंच का संचालन संस्था के चेयरमैन शकील अहमद ने किया। इस अवसर पर संस्था के महामंत्री वंशीधर मौर्य, अखिलेश श्रीवास्तव, रामकृपाल जायसवाल, श्याम वर्मा, संरक्षक मंडल से राजदेव यादव, विनय गुप्ता और सोमेश्वर केसरवानी उपस्थित रहे।

गोंड वीरांगना रानी दुर्गावती शौर्य एवं पराक्रम के साथ महिला सशक्तिकरण की प्रतीक: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी जौनपुर के

तत्वाधान में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में गोष्ठी आयोजित कर गोंड वीरांगना रानी दुर्गावती जी के 461वें बलिदान दिवस पर उनके शौर्य का स्मरण करते हुए उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती का जन्म 5 अक्टूबर 1524 को कालिंजर के किले में राजा कीरत सिंह और उनकी पत्नी कमलावती के घर हुआ था।राजा संग्रामशाह और उनके पुत्र दलपत शाह, राजा कीरत सिंह की पुत्री वीरांगना दुर्गावती के सौंदर्य, शिष्टता, मधुरता और पराक्रम से बहुत प्रभावित होकर विवाह कर दिया।

नारी सशक्तिकरण एवं महिलाओं के उत्थान के लिए भी आदर्श प्रस्तुत करते हुए अपने शौर्य एवं पराक्रम के लिए भी जानी जाती हैं। आज के ही दिन रानी दुर्गावती जी ने दुश्मनों से लड़ते हुए मातृ भूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

ऐसी महान शासिका के बताए मार्ग पर चलकर ही 2027 में सामंती ताकतों को पराजित किया जा सकता है।गोष्ठी को पूर्व विधायक श्रद्धा यादव, पूर्व अध्यक्ष राजबहादुर यादव, पूर्व मंत्री दर्जा संगीता यादव, पूर्व प्रमुख रमापति यादव, जयंती यादव, राजन यादव, ज़िला उपाध्यक्ष गण हीरालाल विश्वकर्मा, केशजीत यादव, ज़िला कार्यकारिणी के सदस्य प्रमोद कुमार गोंड, राजपति गोंड, विधानसभा अध्यक्ष गण वीरेंद्र यादव, निजामुद्दीन अंसारी, रामू मौर्य, श्यामनारायण बिंद ने संबोधित करते हुए रानी दुर्गावती जी का स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।गोंड वीरांगना रानी दुर्गावती जी के बलिदान दिवस पर मुख्य रूप से राहुल त्रिपाठी, दिनेश यादव फौजी, अशोक नायक, अशोक यादव नेता, आजाद यादव, रोहित गोंड, मोहन गोंड, अमित गोंड, राजपति गोंड, शिवम् यादव शुभम, अरविंद यादव, मोहन गोंड, अमजद अली, मुनव्वर अली सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण मौजूद रहे। गोष्ठी का संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

मनबढ़ों ने बैंक मैनेजर को पीटा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र के बंदीपुर स्कूल के पास सोमवार की देर रात एक बैंक प्रबंधक के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि सड़क पर गाड़ी लगाकर रास्ता रोकने वाले मनबढ़ युवकों से रास्ता मांगना बैंक मैनेजर को भारी पड़ गया। आरोपियों ने न केवल गाली-गलौज की बल्कि बैंक मैनेजर को मारपीट कर घायल कर दिया।घटना के संबंध में सुरहूरपुर ढेलवारी गांव निवासी गौरव दूबे, जो इंडियन बैंक मेहनाजपुर शाखा (जनपद आजमगढ़) में मैनेजर पद पर कार्यरत हैं, ने मंगलवार को जलालपुर थाने में तहरीर दी है। गौरव दूबे सोमवार की रात बाइक से अपने घर लौट रहे थे। जब वह सिरकोनी के बंदीपुर स्कूल के पास पहुंचे तो वहां रास्ता एक स्विफ्ट कार द्वारा अवरुद्ध था। उन्होंने हार्न बजाकर रास्ता मांगा, जिससे गुस्साए कार सवारों ने उन पर हमला कर दिया।

थाने में दी तहरीर दर्ज, रास्ता मांगना पड़ा महंगा

थाना प्रभारी जलालपुर त्रिवेणी सिंह ने बताया कि इस मामले में सादीपुर गांव निवासी आनन्द और कल्लू समेत चार से पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट और गाली-गलौज की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

दीपक जावा बनाये गये अध्यक्ष एवं पवन दुबे महासचिव

◆ विशाल खत्री को दी गयी कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी

◆ श्री गणपति पूजा महासमिति की विशेष बैठक सम्पन्न

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर के पंजाबी मार्केट सभागार में श्री गणपति पूजा महासमिति की विशेष बैठक मुख्य संरक्षक अवधेश चतुवेर्दी की अध्यक्षता में हुई जहां सर्वप्रथम भगवान श्री गणेश की स्तुति के उपरान्त आगामी श्री गणेश चतुर्थी के पर्व पर मनाये जाने वाले श्री गणेशोत्सव के मद्देनजर नई कार्यकारिणी का चयन किया गया। उपस्थित संरक्षक सदस्यगण की सहमति से दीपक जावा अध्यक्ष, पवन दुबे महासचिव, विशाल खत्री कोषाध्यक्ष चुने गये जिनका स्वागत उपस्थित पदाधिकारियों ने करतल ध्वनि के साथ फूल–मालाओं से किया।उक्त अवसर पर अवधेश चतुवेर्दी ने कहा कि हमे आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि नई कार्यकारिणी आपसी सामंजस्य बनाकर बेहतर कार्य करेगी।आभार प्रकट करते हुये वर्तमान अध्यक्ष संजय जांडवानी ने कहा कि आप लोगों ने जिस तरह से विश्वास व भरोसा करके मुझे दायित्व सौंपा, मैं सभी का आभारी हूं। साथ ही नयी कार्यकारिणी को भी विश्वास दिलाता हूं कि आप लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए प्रतिबद्ध हूं और महासमिति की गरिमा बनाये रखने के लिये सदैव तत्पर रहूंगा।

कार्यक्रम का संचालन मुख्य ट्रस्टी संजीव यादव व संयोजक नवीन सिंह ने संयुक्त रूप से करते हुये नई कार्यकारिणी को बधाई दिया। साथ ही पूर्ण रूप से सहयोग करने का भरोसा जताया। इसी क्रम में लोलारक दुबे पत्रकार, अरशद कुरैशी, हरिद्वारी विश्वकर्मा एडवोकेट, डॉ0 अतुल प्रकाश यादव जिलाध्यक्ष शिक्षक संघ, जगदीश प्रसाद मौर्य सभासद, शशि श्रीवास्तव एडवोकेट, शिक्षक नेता अतुल सिंह, उर्वशी सिंह एडवोकेट, विक्रम मौर्य, डा. अंजना सिंह, नीरज शाह, आनन्द अग्रहरि, संजय प्रजापति आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर मनोज मौर्या, चन्द्रकेश यादव, पंकज जाण्डवानी, संतोष पाण्डेय, मिंटू, अदालत यादव, सुमित अग्रहरि, प्रिंस सेठ, आशीष बोस, अजय यादव, कुंदन यादव, प्रमोद ओमर, प्रीतम साहू, अभिषेक सेठ, हर्षित गुप्ता, पवन मोदनवाल, रंजीत साहू, प्रभात सेठ, राकेश सेठ, रंजीत मौर्या, प्रेमदर्शन विश्वकर्मा, कमल सेठी, डब्लू मौर्या, ईशान चतुवेर्दी, पृथु गुप्ता, वंश सेठ सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की शादी टली

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। क्रिकेटर रिंकू सिंह और जौनपुर की मछलीशहर लोकसभा सीट से सपा सांसद प्रिया सरोज की शादी अब टल गई है। इसकी वजह रिंकू का अपनी टीम के साथ क्रिकेट खेलने के लिए व्यस्त होना बताया गया है।परिजनों के अनुसार, पहले यह शादी

18 नवंबर 2025 को वाराणसी के होटल ताज में होनी थी, लेकिन अब यह फरवरी 2026 में संपन्न होगी।रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज की शादी पहले ही तय हो चुकी थी और लखनऊ में रिंग सेरेमनी भी हो चुकी है। लेकिन क्रिकेट टूनार्मेंट में रिंकू की व्यस्तता के चलते शादी की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया।होटल की बुकिंग अब फरवरी के अंत में शादी के लिए कर दी गई है, हालांकि अभी शादी की नई तारीख तय नहीं हुई है।

राजू कुमार गुप्ता बने भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर में साइंटिस्ट

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। साहू कल्याण समिति (साहू क्लब) जौनपुर के संरक्षक जयप्रकाश गुप्ता (सेवानिवृत्ति, उद्यान प्रभारी पुरातत्व विभाग) के सुपुत्र राजू कुमार गुप्ता का चयन भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर मुंबई में साइंटिस्ट के लिए पद पर हुआ है। राजू कुमार गुप्ता बीएचयू से एम.टेक करके गेट क्वालीफाई करने के बाद इस पद पर चयनित हुए हैं।साहू कल्याण समिति (साहू क्लब) जौनपुर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

शाहगंज पुलिस ने दो शातिर चोरों को चोरी की 3 मोटरसाइकिल के साथ किया गिरफ्तार

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान आज दिनांक-24.06.2025 को मलमल पुलिया आजमगढ़ रोड़ से 02 अभियुक्तों क्रमशः 1.शिवम तिवारी पुत्र विश्वामित्र तिवारी निवासी सुरिश थाना शाहगंज जनपद जौनपुर 2. मनीष गौतम पुत्र विजय कुमार निवासी सुरिश थाना शाहगंज जनपद जौनपुर को चोरी की 03 मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 217/2025 धारा 303(2),317(2), 336(3), भारतीय न्याय संहिता 2023 पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है। बरामदगी का विवरण,1.सी0डी डिलक्स लाल काला रंग जिसका चेसिस नं0 MBLHAR203JHCO7408 तथा इंजन नं0 HA11ENJHC21865 2. H.F डिलक्स बिना नम्बर प्लेट चेचिस नं0 व इंजन नम्बर, 3. मो0सा0 ग्लैमर रंग लाल काला नम्बर प्लेट टूटी हुई चेचिस नम्बर MBLJA06APFGM00709 अंकित है।

जौनपुर के चंदवक में गहने लेकर युवती घर से लापता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।चंदवक क्षेत्र के एक गांव निवासी 25 वर्षीय युवती पिछले तीन सप्ताह से घर से लापता है। आरोप है कि वह घर के गहने भी साथ ले गई है। रविवार शाम पिता की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पिता की ओर से दी गई तहरीर के अनुसार तीन जून को उनकी लड़की अचानक घर से लापता हो गई। आरोप लगाया कि किशन कुमार उनकी पुत्री को बहलाकर भगा ले गया है। शशि कुमार, सतीश कुमार एवं ज्ञानी कुमार ने उसकी लड़की को भगाने में सहयोग किया है।पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर लड़की की तलाश शुरू कर दी है।

'वृहद वृक्षारोपण अभियान' के तहत उद्यान विभाग द्वारा किया जायेगा निःशुल्क पौध वितरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 सीमा सिंह राणा द्वारा अवगत कराया गया है कि पर्यावरण संरक्षण और हमारी पृथ्वी को हरा-भरा बनाने के प्रयासों को गति देते हुए, उद्यान विभाग गर्व से घोषणा करता है कि वह आगामी जुलाई माह से 'वृहद वृक्षारोपण अभियान' के तहत निःशुल्क पौधों का वितरण करेगा। यह पहल नागरिकों को पर्यावरण में सक्रिय रूप से योगदान करने और अपने आस-पास के क्षेत्रों को अधिक हरा-भरा बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई है। उद्यान विभाग की नर्सरियों में विभिन्न प्रकार के फलदार पौधे तैयार किए गए हैं। इनमें फलदार वृक्ष, फूलों के पौधे और छायादार पेड़ शामिल हैं, जो स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और जैव विविधता को बढ़ावा देने में मदद करेंगे। पात्रता- सभी इच्छुक नागरिक अपनी पहचान पत्र प्रस्तुत कर निःशुल्क पौधे प्राप्त कर सकते हैं। यह अभियान न केवल वायु गुणवत्ता में सुधार करेगा बल्कि शहरी गर्मी को कम करने, भूजल स्तर को बढ़ाने और वन्यजीवों के लिए आवास प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।उद्यान विभाग सभी नागरिकों से इस नेक पहल में भाग लेने और अपने घरों, समुदायों और सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाकर 'वृहद वृक्षारोपण अभियान' को सफल बनाने का आग्रह करता है। हमारा मानना है कि हर छोटा प्रयास एक बड़ा बदलाव ला सकता है। आइए, मिलकर अपने शहर व गांव को एक स्वस्थ और हरा-भरा भविष्य दें। इससे सम्बन्धित जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी के यहां सम्पर्क कर सकते है।

कृषि कार्य हेतु किसानों को प्रशिक्षित किया गया

जौनपुर। जनपद जौनपुर के सिकरारा क्षेत्र के बिसांवा स्थित विश्वंभर नाथ मंदिर के प्रांगण में गत दिनों किसान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। किसानों को खेती कैसे करनी चाहिए जिससे ज्यादा लाभ मिले। कृषि वैज्ञानिक डॉ. प्रगति यादव व हरी ओम वर्मा ने कहा कि किसान परंपरागत तकनीक को छोड़कर उन्नत तकनीक से खेती करें तो निश्चित ही उनकी आय दोगुनी हो जाएगी। इस दौरान ग्राम प्रधान अनीता यादव, अरविंद यादव, विनोद प्रजापति, मुन्ना सिंह, राजेश यादव, रमेश मौर्य महेंद्र यादव, सरिता, बेबी, संगीता, सीमा प्रजापति, सुनीता, कृष्णा सिंह,बालक,सोनू समेत कई अन्य किसान मौजूद रहे।

दो अंतर्जनपदीय गांजा तस्कारों को 50 किलो गांजा के साथ किया गिरफ्तार

शाहगंज,जौनपुर (उत्तर शक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत पक्खनपुर मोड़ के समीप अवैध रूप से अर्टिगा कार से गांजा तस्करी करने के दौरान पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो लोगों को 50 किलो से अधिक गांजा के साथ गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान भेज दिया। क्षेत्र के पक्खनपुर गांव के मोड़ पर मंगलवार की सुबह मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने एक अर्टिगा कार को पुलिस ने रोक जिसमें आजमगढ़ जनपद के कोतवाली जीयनपुर क्षेत्र के चकलालचन्द गांव निवासी तथा कप्तानगंज थाना क्षेत्र के चकधवन गांव निवासी को हिरासत में ले पुलिस ने कार की तलाशी लिया तो 50 किलो से अधिक गांजा बरामद किया। पकड़े गए दोनों अभियुक्तों के ऊपर अन्य जनपदों में आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चालान भेज दिया गया। इस दौरान कोतवाली निरीक्षक दीपेन्द्र सिंह वरिष्ठ उपनिरीक्षक प्रदीप सिंह समेत हेड कांस्टेबल जितेन्द्र पांडे, राहुल मिश्रा, सुनील कुमार, शशि चौहान मौजूद रहे।

कमेटी ने दफन करवाया एक हफ्ते में दो लावारिश शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में मिलने वाले मुस्लिम लावारिश शव को दफन करवाने वाली लावारिस शव इंतजामियां कमेटी ने लाइन बाजार थाने के सिविल लाइन चौकी से मिला हुआ पहला शव था और दूसरा शव जो कि एक महिला का था जीआरपी द्वारा सौंपा गया। हजरत हम्जा चिश्ती स्थित कब्रिस्तान पर दफन करवाया शव के बारे में सिविल लाइन चौकी पुलिस विभाग से आरक्षी राजकुमार ने बताया कि यह शव मियापुर में गोमती नदी में सड़े गले हालत पर मिला था। हुलिया से अधेड़ प्रतीत हो रहा था जिसकी उम्र लगभग 40 साल होगी महिला का शव रेलवे ट्रैक पर चाचकपुर के पास मिला था। महिला नकाब में थी इस लिए मुस्लिम समुदाय की प्रतीत हो रही थी।शव को पोस्टमार्टम के बाद कमेटी को सौंपा गया।कमेटी के द्वारा पूरे मुस्लिम रीति रिवाज से इसे हजरत हम्जा चिश्ती स्थित कब्रिस्तान पर दक्षिण तरफ दफन करवाया गया।कमेटी के संस्थापक/अध्यक्ष रियाजुल हक ने बताया कि लॉकडाउन के बाद से मुस्लिम शव को दफन करने का सिलसिला लगातार जारी है।इसी क्रम में यह 159, 160 वा शव था।इस मौके पर मुख्य तौर पर कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मास्टर मेराज एवं डॉ.इम्तियाज अहमद सिद्दीकी मौजूद रहे। दोनों की नमाज ए जनाजा हाफिज अजहर ने अदा कराई।वही कमेटी के अन्य सदस्यों में मो.फैज अंसारी का विशेष योगदान रहा।

जौनपुर:चौकियां क्षेत्र में कूड़ो के लगा अंबार,बदबूदार कूड़ो पर से लोग आने जाने को मजबूर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चौकिया चौराहा पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास लगा हुआ है कूड़ो का अंबार,आरके साहू कॉलोनी जो की बहुत पुरानी कॉलोनी है। उक्त कॉलोनी में बाहर आने का मात्र एक ही रास्ता है। उस रास्ते को नगर पालिका द्वारा विगत एक माह से खोद कर छोड़ दिया गया है। यह कहकर कि जल्द ही बनेगा और एक महीने से कॉलोनी वासियों को आने-जाने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कॉलोनी के कुछ लोगों ने चंदा लगाकर उक्त नाली को एक बार बनवाया। फिर से नगर पालिका द्वारा इसे नाली सफाई के नाम पर खोद कर छोड़ दिया गया। जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। छोटे-छोटे बच्चे कई बार साइकिल लेकर इसमें गिर चुके हैं और इस कॉलोनी में एक जूनियर हाई स्कूल भी चलता है जो की स्कूल खुलने में अभी बस मात्र कुछ दिन ही बाकी है। ऐसे में राहगीरों का आने जाने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है कॉलोनी में कूड़ा की समस्या आए दिन होता है। चौकिया चौराहे के दुकानदार अपने दुकान का कूड़ा भी लाकर इस कॉलोनी में खाली स्थान पर फेंक कर चले जाते हैं। जिससे आए दिन बदबू होती है और बीमारियां हो रही है। अभी तक नगर पालिका प्रशासन द्वारा इस कॉलोनी में कोई भी सुविधा प्राप्त नहीं हुआ है और ना ही किसी खंबे पर लाइट लगी हुई है।

ठाणे, मुम्ब्रा व शिल की अवैध घोषित इमारतों के निवासियों का क्या कसूर : गोपाल शेट्टी

बोरीवली, मुंबई। ठाणे, मुम्ब्रा और शिल परिसर की कुछ बहुमंजिला इमारतों को प्रशासन द्वारा अवैध घोषित किये जाने के कारण उसमें रह रहे नागरिकों के सिर पर छत छिन जाने का खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में भवन निमार्ताओं की गलती की सजा इन बेकसूर नागरिकों को मिलने के संभावित खतरे को देखते हुए उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने जनहित में मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़वणीस तथा उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर उनका ध्यान इस विषय पर आकृष्ट किया है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने पत्र में लिखा है कि मुंब्रा-शिल परिसर में स्थित बहुमंजिला इमारतों में जो नागरिक रहते हैं, उन्होंने अपनी मेहनत के पसीने के पैसे गिनकर मकान खरीदे हैं। अगर कुछ भवन निमार्ताओं ने अवैध रूप से

निर्माण किया है, तो उनका दोष इन निर्दोष नागरिकों पर नहीं जाना चाहिए। जनसेवक गोपाल शेट्टी के अनुसार मुंब्रा-शिल परिसर में ऐसे अवैध निर्माणवाली इमारतों की उचित जांच करके, उनका नियमन किया जा सकता है। साथ ही ऐसे भवन का अवैध रूप से निर्माण करनेवाले भवन निमार्ता व्यवसायिकों को सरकार को उतनी ही जमीन सौंपनी चाहिए और अगर उन्होंने इससे इनकार किया, तो सरकार को उन पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। जनसेवक शेट्टी ने पत्र में आगे लिखा है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने सबको पक्का घरश्र की संकल्पना देश के सामने रखी है, और महाराष्ट्र ने इस उद्देश्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए भी हैं। विशेष रूप से, १७ नवम्बर २०१८ को मुंबई को छोड़कर शेष महाराष्ट्र के लिए जारी किया गया शासन निर्णय ऐतिहासिक रहा है। इसमें १५०० वर्ग फुट तक के निर्माण के नियमन की व्यवस्था है। जिसमें ५०० वर्ग फुट तक कोई शुल्क नहीं है, और ५०१ से १५०० वर्ग फुट तक के निर्माण के लिए शासन द्वारा निर्धारित दर के अनुसार शुल्क देना होगा, ऐसा स्पष्ट किया गया है।

जनसेवक शेट्टी के अनुसार महाराष्ट्र एक कानून का पालन करने वाला राज्य है, और हम सभी न्यायालय का सम्मान करते हैं। तथापि, कई बार न्यायालय भी वास्तविक स्थिति का विचार करके निर्णय लेता है। पत्र के अंत में जनसेवक गोपाल शेट्टी ने मांग रखते हुए कहा है कि इस विषय पर एक 'सर्वपक्षीय समिति' की स्थापना हो, और नागरिक भी आवश्यकतानुसार आर्थिक सहयोग करने की तैयारी दिखाएं। अगर हम इसे न्याय्य और कानूनी रूप देने का प्रयास करें, तो निश्चित रूप से यह संभव हो सकता है।

त्रिवेणी साहित्य संगम की मासिक काव्यगोष्ठी सम्पन्न

मुंबई। साहित्यिक,सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था त्रिवेणी साहित्य संगम की मासिक काव्यगोष्ठी सोमवार दिनांक 16 जून 2025 को माउंट ब्यू टावर सभागृह,सिनेमैक्स सायन सर्कल मुंबई में संपन्न हुई।गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ नंदलाल पाठक ने किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ कवि एवं लेखक ज्ञान प्रकाश गर्ग उपस्थित थे। मंच का खूबसूरत संचालन वरिष्ठ साहित्यकार अवनीश कुमार दीक्षित दिव्य ने किया। उपस्थित साहित्यकारों में वरिष्ठ गजलकार रेखा किंगर रोशनी, अश्विनी उम्मीद लखनवी,कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप,सत्यवती मौर्य, स्वप्निल खंडेलवाल,श्रीमती साधना वाजपेयी,कवि एवं पत्रकार रवि यादव, शोभा स्वप्निल खंडेलवाल एवं इप्सा खंडेलवाल थे।उक्त काव्यगोष्ठी का आयोजन संस्था संरक्षक संतोष खंडेलवाल ने किया तथा उन्होंने उपस्थित सभी साहित्यकारों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

बदलापुर तहसील क्षेत्र ढेमा की आकांक्षा दुबे का भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के बदलापुर तहसील क्षेत्र के ढेमा गांव निवासी डॉ. आलोक दुबे की सुपुत्री आकांक्षा दुबे का भारत सरकार की प्रतिष्ठित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) में उनके पहले ही प्रयास में चयन हो गया जिससे क्षेत्र में खुशियों का माहौल है।

बताते चलें कि आकांक्षा अपनी स्नातक की शिक्षा भूविज्ञान (जूलोजी) में काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से पूर्ण की है। गौरतलब है कि वह नीट जम्मू के लिए भी योग्य थीं, लेकिन उन्होंने बीएयू को चुना। परास्नातक (एमएससी) की डिग्री उन्होंने इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय से भूविज्ञान में प्राप्त की, जबकि उन्हें आईआईटी खड़गपुर में भूभौतिकी में भी प्रवेश मिल रहा था। यह दशार्ता है कि आकांक्षा ने हमेशा अपनी रुचि और लक्ष्य को प्राथमिकता दी।

उन्होंने हाल ही में आयोजित ऋअळए 2025 और खफऋ2025 की परीक्षाएं भी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की थीं, साथ ही इअफ्ठ द्वारा आयोजित परीक्षा भी पास किया जिसके परिणामस्वरूप उनका चयन इअफ्ठ में हुआ है। जहां इनके इस चयन से गांव क्षेत्र को गौरवान्वित होने का औसर मिला वहीं इस चयन ने यह सावित कर दिया की बेटियां सोशल साइट्स पर रील बनाने से नहीं बल्कि इस तरह के गौरव देकर पहचानी जाएंगी। बता दें कि आकांक्षा दुबे का ननिहाल जनपद जौनपुर ग्राम कानबंशी का पूरा निवासी ईश्वर चंद्र तिवारी के बेटी की पुत्री है। और ईश्वर चंद्र तिवारी की नातिन है। वे तिवारी नालासोपारा पूर्व में निवास करते हैं। यह जानकारी पन्ना लाल दुबे ने दी है।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की मछली शहर तहसील इकाई का हुआ गठन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (पंजीकृत) की मछलीशहर तहसील इकाई का गठन समारोह 24 जून 2025 को आर बी एस कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कुरनी समाधगंज, जौनपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय पत्रकारों को संगठित कर निष्पक्ष, निर्भीक और जवाबदेह पत्रकारिता को मजबूती प्रदान करना रहा।अतिथि तामीर हसन शीबू, जिला अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि आज पत्रकारिता अनेक चुनौतियों से जूझ रही है, ऐसे में एकजुटता और संगठन ही पत्रकारों की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने पत्रकारों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का भी आह्वान किया।विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार गौतम और जिला प्रभारी शशिकांत मौर्य ने भी अपने विचार रखते हुए नवगठित इकाई को शुभकामनाएं दीं और निष्पक्ष पत्रकारिता को जनहित का सबसे बड़ा माध्यम बताया।नवगठित इकाई में सूरज विश्वकर्मा तहसील महासचिव बने सभी पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी पत्रकारों को परिषद की प्राथमिकताओं, उद्देश्यों और पत्रकार हित में की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी गई।राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद सदैव पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु समस्त सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

स्टार चैंबर सोसायटी की बैठक संपन्न

मुंबई (उत्तर शक्ति)। मंगलवार को स्टार चैंबर सोसायटी की बैठक, रविन्द्र नाइक की अध्यक्षता में नाइक,9/बी विशन पार्क एमएमजीएस मार्ग दादर ईस्ट मुंबई 400014, नियर कैलाश लस्सी शाप,दादर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के पास लैंड लार्ड श्री रविन्द्र नाइक साहब के आवास पर सम्पन्न हुई, बैठक में, बी एम सी,और महाडा के रुल और रेगुलेशन के अनुसार लैंडलॉर्ड और टेनेंट मिलकर बिल्डिंग को रीडेवलपमेंट पर चर्चा परिचर्चा किया गया की स्टार चैंबर सोसायटी और देवहारे बिल्डिंग, खतीजा बिल्डिंग के कुछ टेनेंट आपस में बैठकर आपसी और मकान मालिक के सहमति से बिल्डिंग को रीडेवलप करने में सहभागिता पर जोर दिया गया जिसमें सभी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए और निर्णय लिए की बिल्डिंग को सभी लोग मिलकर रीडेवलप कराया जाए,जिसमें कुछ बड़े बिल्डर के नाम पर चर्चा किया गया बैठक में शामिल, मुख्य रूप से स्टार चैंबर सोसायटी के, लैंड लार्ड रविन्द्र नाइक सहित, टेनेंट, शेषधर शंकर बिंद ,सचिन नोरोना,राजेश संघवी, महेश थोडू,रेखा नार्वेकर,वैशाली चव्हाण, लुकास कार्डोज, फ्रांसिस डिसूजा,नंदा मेंडेस, राकेश दीपक उग्रेजा, श्रीकांता निर्मल दास,देवहारे बिल्डिंग, से गुलाब साहेब यादव, खतिजा बिल्डिंग से सूरज नायकुडे, उपस्थित रहे।

कम लागत के लिए धान की सीधी बुआई से मिलेगी अधिक उपज: डॉक्टर अनुराधा कुमारी

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अन्तर्गत महाराजगंज प्रखण्ड में सिंचाई के लिए पानी की कमी, जलवायु परिवर्तन, मजूदरों की कमी और अधिक लागत के बोझ से मुक्ति पाने के लिए धान की सीधी बुआई किया जा सकता हैं। धान की खेती के लिए बिचड़ा डालने से लेकर कटनी तक किसानों का खर्च ही खर्च है। धान की खेती में गिरते भू-जल स्तर, लागत खर्च आदि से बचने के लिए वैज्ञानिक विधि से धान की सीधी बुआई करें। इसमें कम लागत में ससमय बेहतर उत्पादन मिलता है। इस तकनीक में खेत में नमी बरकरार रख कर या नमी बना कर सीडड्रील द्वारा बुआई की जाती है। वैज्ञानिक डॉक्टर अनुराधा कुमारी ने बताया अगर खेत में खरपतवार अधिक उगते हों तो जून के प्रथम सप्ताह में पटवन कर खरपतवार उगा लिया जाता है और उसके बाद जुताई कर नमी की

अवस्था में सीडड्रील द्वारा धान की सीधी बुआई कर सकते हैं। बदलती जलवायु एवं मृदा के गिरते स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए धान की सीधी बुआई तकनीक आज के समय की मांग बन गई है। फिलहाल 30 जून तक का समय सीधी बुआई के लिए उपयुक्त है। इसके बाद अगर बुआई करनी है तो कम अवधि वाले प्रभेद को चुनें। सीधी बुआई के लिए भूमि का पहले समतलीकरण कराएं। प्रति हेक्टेयर भूमि में 30 किलोग्राम बीज दर का उपयोग करें। बीज की गहराई 2से 3 सेंटीमीटर होनी चाहिए। सीधी बुआई में एमटीयू-7029, बीपीटी-5204, केपी-108, राजेन्द्र स्वेता, स्वर्ण समृद्धि, संकर किस्म आदि प्रभेद का उपयोग सीधी बुआई में करें।

जीविका दीदियों के मानदेय में वृद्धि एतिहासिक कदम: पूर्व विधायक सत्यदेव सिंह

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अर्न्तगत महाराजगंज में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण को लेकर नीतीश सरकार द्वारा जीविका दीदियों के मानदेय को दोगुना किए जाने की ऐतिहासिक घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जदयू पूर्व विधायक सह जदयू नेता सत्यदेव सिंह ने इस निर्णय का हार्दिक स्वागत किया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। पूर्व विधायक श्री सिंह ने कहा कि यह निर्णय न केवल जीविका दीदियों के अथक परिश्रम और समर्पण का सम्मान है, बल्कि उनके आत्मबल, आत्मविश्वास और सामाजिक-आर्थिक भागीदारी को भी एक नई दिशा देगा। उन्होंने यह भी कहा कि जीविका दीदियों के लिए ऋण पर ब्याज में भी छूट की ऐतिहासिक घोषणा, नीतीश सरकार की महिला सशक्तिकरण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह कदम जीविका दीदियों को उद्यमिता के नए अवसर प्रदान करेगा। इस निर्णय से बिहार की 1 करोड़ 40 लाख से अधिक जीविका दीदियां सीधा लाभान्वित होंगी, जो स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठन, बैंकिंग सुविधाओं और पंचायत स्तर पर विभिन्न भूमिकाओं में सक्रिय हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दूरदर्शी, संवेदनशील और जनकल्याणकारी नेतृत्वकर्ता बताते हुए श्री सिंह ने कहा कि यह निर्णय महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त, ठोस और प्रेरणादायी पहल है।

मजबूत राज्य ही मजबूत भारत की भावना को आगे बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय परिषदें अहम भूमिका निभा रही हैं : अमित शाह

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में मंगलवार को काशी में एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाया गया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक ताज होटल, नदेसर में सम्पन्न हुई। इस बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी की मजबूत इच्छाशक्ति और भारतीय सेना के शौर्य को ध्वनिमत से अभिनंदन प्रस्ताव पारित कर सराहा गया। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मध्य क्षेत्रीय परिषद देश की वह इकलौती परिषद है, जहां अब किसी राज्य के बीच कोई विवाद शेष नहीं है। यह परस्पर सहयोग की बड़ी मिसाल है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत राज्य ही मजबूत भारत की भावना को आगे बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय परिषदें अहम भूमिका निभा रही हैं। अब राज्य मिलकर तेजी से विकास और प्रशासनिक सुधारों को आगे बढ़ा रहे हैं।

बैठक में कुल 19 महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध की त्वरित जांच, फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों (ऋछरउ) की स्थापना, ग्रामीण बैंकिंग विस्तार, और आपातकालीन सहायता प्रणाली (एफ्नर-112) के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषय शामिल रहे। गृह मंत्री ने सभी राज्यों से आह्वान किया कि बच्चों में कुपोषण को समाप्त करना, ड्रॉप-आउट शून्य करना और सहकारी संस्थाओं को मजबूत करना राज्य सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए। शाह ने राज्यों से ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने के लिए सशक्त नीति बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि पंचायतें मजबूत होंगी, तो भारत की त्रिस्तरीय लोकतांत्रिक व्यवस्था और अधिक प्रभावी और आत्मनिर्भर बनेगी। गृह मंत्री ने बताया कि 2004-14 के मुकाबले 2014-25 के दौरान जोनल काउंसिल की बैठकों में 83% अधिक मुद्दों का समाधान किया गया है। अब तक 1287 समस्याओं का समाधान किया जा चुका है। बीते 11 वर्षों में जोनल काउंसिल्स और उनकी स्थायी समितियों की कुल 62 बैठकें हुई हैं। मध्य क्षेत्रीय परिषद में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ शामिल हैं। यह मंच आपसी विवाद, संसाधनों के बंटवारे, सामाजिक विकास, कानून व्यवस्था और पर्यावरण से जुड़े मसलों पर राज्यों के बीच सहयोग और संवाद को बढ़ाने का कार्य करता है। मंगलवार सुबह बैठक से पहले सीएम योगी, मप्र सीएम मोहन यादव और उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए और काशी के दिव्य वातावरण का अनुभव लिया। गृह मंत्री अमित शाह सोमवार शाम वाराणसी पहुंचे. बाबा कालभैरव और बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए।